CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-62
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शनिवार, 08 जून 2024

आज का विचार

दुख और वेदना के अथाह सागर वाले इस संसार में प्रेम की अत्यधिक आवश्यकता है।

मोदी 3.0... राष्ट्रपति ने एनडीए को दिया सरकार गठन का न्योता

पीएम मोदी बोले- 18वीं लोकसभा नई ऊर्जा से लैस, आने वाले पांच साल बेहद उपयोगी

नई दिल्ली। नरेंद्र दामोदर दास मोदी शुक्रवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के संसदीय दल के नेता चुने गए। इसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नरेंद्र मोदी को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया। राष्ट्रपति भवन के बाहर मीडिया कर्मियों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने नई सरकार का रोडमैप साझा किया। उन्होंने कहा कि 2024 का लोकसभा चुनाव अमृतकाल का पहला चुनाव है। मोदी ने कहा कि 2047 में जब देश आजादी की 100वीं वर्षगांठ मनाएगा, उसके संकल्प पूरा करने के लिए हमारे पास स्वर्णि अवसर है। उन्होंने कहा कि देशवासियों ने एनडीए को एक बार फिर सेवा का मौका दिया है, इसके लिए वे जनता का आभार प्रकट करते हैं। उन्होंने कहा कि जिस गति से देश आगे बढ़ा है, समाज के हर क्षेत्र में परिवर्तन साफ नजर आ रहा है। 25 करोड़ लोगों का गरीबी से बाहर आना हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि 18वीं लोकसभा में भी उसी गति और समर्पण भाव से देश की आशा-आकांक्षा को पूर्ण करने में कोई कसर बाकी नहीं रखेंगे। मोदी ने कहा कि एनडीए की बैठक में सभी घटक दलों ने मुझे नेता चुना है। सभी दलों ने राष्ट्रपति को समर्थन के बारे में जानकारी दी। राष्ट्रपति ने मुझे न्योता दिया और कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रूप में उनकी नियुक्ति को मंजूरी दी है। मोदी ने बताया कि उन्होंने नौ जून की शाम में शपथ के बारे में सूचित कर दिया है। शपथ ग्रहण का विस्तृत कार्यक्रम राष्ट्रपति भवन से जारी किया जाएगा।

2014 में पार्लियामेंट और 2024 में संविधान को नमन

केंद्र में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने जा रहे नरेंद्र दामोदर दास मोदी शुक्रवार को संसद भवन के सेंट्रल हॉल में एनडीए संसदीय दल की बैठक में पहुंचे तो उन्होंने भारतीय संविधान को अपने हाथ में लेकर माथे से लगाया। इससे चुनावी दौर में फैलाई गई सभी अफवाहें खारिज हो गईं। पीएम मोदी ने जिस तरह से तीसरे टर्म में जीत के बाद संसद भवन के सेंट्रल हॉल में एंट्री की तो उनकी पहली बार पार्लियामेंट में आने की तस्वीर जेहन में ताजा हो गई। 2014 में जब वे जीत कर संसद पहुंचे थे तो उस समय संसद भवन के गेट पर लेटकर पार्लियामेंट को प्रणाम किया था। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट डाला है, जिसमें उन्होंने लिखा है कि मेरे जीवन का प्रत्येक क्षण डॉ बाबा साहेब अंबेडकर द्वारा दिए गए भारत के संविधान में निहित महान मूल्यों को बनाए रखने के लिए समर्पित है। उन्होंने आगे लिखा है कि यह संविधान की ही ताकत है कि मेरे जैसा गरीब और पिछड़े परिवार में पैदा हुआ व्यक्ति प्रधानमंत्री की कुर्सी तक पहुंचा है और देश की सेवा करने में सक्षम है। हमारा संविधान करोड़ों लोगों को आशा, शक्ति और सम्मान देता है।

राष्ट्रपति का न्योता और दही-शक्कर

एनडीए संसदीय दल की बैठक में एनडीए नेताओं ने नरेंद्र मोदी का अभिनंदन और स्वागत किया। बैठक में मोदी के नाम का प्रस्ताव राजनाथ सिंह ने रखा। उन्होंने पीएम मोदी को संसदीय दल के नेता के तौर पर प्रस्ताव रखा, जिसका सभी पार्टियों ने समर्थन किया। इसके बाद शुक्रवार शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की। इस दौरान राष्ट्रपति मुर्मू ने उन्हें सरकार गठन के लिए आमंत्रित किया और दही-शक्कर खिलाया। इससे पहले एनडीए के नेताओं ने राष्ट्रपति से मुलाकात की थी और उन्हें नरेंद्रमोदी के लिए समर्थन पत्र सौंपा था।

कुछ न कहकर भी नीतीश ने रख दी अपनी डिमांड

इशारों इशारों में दिल लेने वाले, बता ये हुनर तूने सीखा कहां से... यूं तो ये एक बॉलीवुड फिल्म का लोकप्रिय गीत है लेकिन कई बार यह राजनीति में भी फिट बैठ जाता है। संसद भवन में एनडीए संसदीय दल की बैठक हुई। सबकी निगाहें नीतीश के भाषण पर भी टिकी थीं। वही हुआ भी.. अपने मजाकिया और मजेदार भाषण में नीतीश ने यह कन्फर्म किया कि वे पूरी तरह से मोदी के साथ हैं और डटकर उनके साथ रहेंगे, लेकिन इसी बीच उन्होंने बिहार का जिक्र करते हुए बिना कुछ कहे काफी कुछ मांग लिया। नीतीश कुमार ने कहा कि यह बहुत खुशी की बात है कि 10 साल से मोदी पीएम हैं और फिर पीएम होने जा रहे हैं। हमें पूरा भरोसा है कि जो भी बचा हुआ है अगली बार सब पूरा कर देंगे। हम लोग पूरे तौर पर, सब दिन इनके साथ रहेंगे, ये जो करेंगे वह सब बहुत अच्छा है। बिहार के लिए भी अच्छा ही करेंगे। अगले पांच साल में बिहार और देश बहुत आगे बढ़ेगा। बिहार का भी सभी काम हो ही जाएगा। जो बचा हुआ काम है उसे भी पूरा किया जाएगा। यह सुनकर मोदी भी मुस्कुराते रहे।

दस साल चलेगी एनडीए सरकार

पीएम नरेंद्र मोदी को शुक्रवार को सर्वसम्मति से एनडीए संसदीय दल का नेता चुन लिया गया। इस दौरान उन्होंने बैठक में मौजूद सभी गणमान्य जनों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मैं बहुत जिम्मेदारी के साथ कह रहा हूं, एनडीए सरकार में हम अगले 10 साल में सुशासन, विकास, जीवन की गुणवत्ता और मेरा व्यक्तिगत सपना है। मैं लोकतंत्र की समृद्धि के बारे में सोचता हूं तो मानता हूं कि मध्यम वर्ग के जीवन में सरकार की दखल जितनी कम हो, उतना अच्छा है। आज के तकनीक के दौर में हम यह कर सकते हैं। हम विकसित भारत के सपने को साकार करके रहेंगे। विस्तार से कहूं तो सदन में किसी भी दल का कोई भी प्रतिनिधि होगा, मेरे लिए सब बराबर हैं। जब मैं सबका प्रयास करता हूं तो सदन में भी सब बराबर हैं। यह भी भाव है, जिसके कारण 30 साल से एनडीए आगे बढ़ा है। सबको गले लगाने में हमने कोई कमी नहीं रखी है।

दक्षिण और जय जगन्नाथ का जिक्र

पीएम मोदी ने कहा कि दक्षिण भारत में एनडीए ने एक नई राजनीति की नींव मजबूत की है। कर्नाटक और तेलंगाना को देखिए। अभी-अभी तो वहां सरकारें बनी थीं। पलभर में ही लोगों का भ्रम टूट गया और एनडीए को गले लगा लिया। तमिलनाडु की टीम को भी बधाई देना चाहता हूं। वहां हमारा एनडीए समूह बढ़ा भी है। कइयों को पता था कि शायद सीटें न जीत पाएं, लेकिन फिर कहते रहे कि हम साथ रहेंगे। आज तमिलनाडु में भले ही हम सीट नहीं जीत पाए, लेकिन जिस तेजी से एनडीए का वोट शेयर बढ़ा है, वह साफ-साफ कह रहा है कि कल में क्या लिखा हुआ है। केरल में हमारे सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने बलिदान किया है। इतना जुल्म विचारधारा रखने वालों पर हुआ होगा, तो वह केरल में हुआ है। लेकिन हम परिश्रम की पराकाष्ठा में पीछे नहीं रहे। पीढ़ियां खपा दीं। और आज केरल से संसद में हमारा पहला प्रतिनिधि आ गया। अरुणाचल में लगातार हमारी सरकार बनती रही है। आंध्र में ऐतिहासिक रूप में सर्वोच्च सीटें मिली हैं... और ये पवन, ये पवन नहीं आंधी है।

महिलाओं के नेतृत्व में विकास

पीएम मोदी ने कहा कि नारी शक्ति की भागीदारी हमारा कमिटमेंट है। वह दिन दूर नहीं होगा, जब सदन में माताएं-बहनें ज्यादा संख्या में नेतृत्व करती दिखाई देंगे। हमने महिलाओं को सबसे ज्यादा टिकट देने वाल पार्टी रहे हैं। हम जी-20 समिट से भी इस बात को आगे बढ़ा रहे हैं- महिलाओं के नेतृत्व में विकास। पीएम ने कहा कि एनडीए का यह कार्यकाल बड़े फैसलों और तेज विकास का है। हम समय नहीं गंवाना चाहते। हम पांच नंबर से तीन नंबर की अर्थव्यवस्था पर पहुंच रहे हैं। यह खाली पांच-तीन का आंकड़ा नहीं है। इससे अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ेगा, उससे सरलता बढ़ेगी, देश की जरूरतें पूरी करने का सामर्थ्य बढ़ेगा। राज्यों का सहयोग भी इसमें उतना ही महत्वपूर्ण रहेगा। मेरा आग्रह है कि प्रतिस्पर्धी सहयोगात्मक संघवाद। हम अच्छा करने की स्पर्धा करें। जी-20 समिट हम एक जगह से कर सकते हैं, लेकिन हिंदुस्तान के अनेक शहरों में बैठकें हुईं।

ये लोग ईवीएम की अर्थी निकालने की तैयारी में थे

पीएम मोदी ने कहा कि जब चार जून के नतीजे आए तो मैं काम में व्यस्त था। बाद में फोन आना शुरू हुए। मैंने कहा कि ये आंकड़े तो ठीक हैं, ये बताओ कि ईवीएम जिंदा है या मर गया? क्योंकि ये लोग तय करके बैठे थे कि भारत के लोकतंत्र और लोकतंत्र की प्रक्रिया से लोगों का विश्वास उठा दिया जाए। ये लगातार ईवीएम को गाली देते रहे। ये ईवीएम की अर्थी निकालने की तैयारी में थे। शाम आते-आते उनकी जुबान में ताले लग गए और ईवीएम ने उन्हें चुप करा दिया। यह ताकत लोकतंत्र और चुनाव आयोग की है। आशा करता हूं कि पांच साल ईवीएम नहीं सुनाई देगा, लेकिन 2029 में हम जाएं तो शायद ये फिर ईवीएम कहने लगेंगे। चुनाव में हर तीसरे दिन सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे खटखटाए गए ताकि चुनाव आयोग के काम में रुकावट आए। कैसे रुकावट डालें, इसका प्रयास करते रहे। चुनाव जब चरम पर थे, तब चुनाव आयोग की ताकत का बड़ा हिस्सा अदालतों में जा रहा था।

ये विदेश में जाकर कहते हैं कि यहां लोकतंत्र नहीं है

पीएम मोदी ने कहा कि इंडी गठबंधन वाले जब ईवीएम का जिक्र करते थे तो मैं इसे चुनाव के रूप में नहीं देखता। मैं मानता हूं कि ये तीसरी शताब्दी के लोग हैं। ये तकनीक को स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। जब हम यूपीआई लेकर आए, तब ये मानने को तैयार नहीं हुए। आधार देश की पहचान है, कई देश ऐसी व्यवस्था चाहते हैं। इन्होंने इसका भी विरोध किया। इंडी गठबंधन तकनीक का विरोधी है। विश्व में भारत के लोकतंत्र की ताकत को कम आंकने की प्रयास होते हैं। मैं ढिंढोरा पीटता हूं कि हमारे यहां लोकतंत्र है, ये विदेश में जाकर कहते हैं कि यहां लोकतंत्र नहीं है, मोदी आकर बैठ गया है।

शेयर बाजार ने की 4 जून के नुकसान की भरपाई

सेंसेक्स ऑल टाइम हाई यानी 76,794.06 पर

मुंबई। शुक्रवार को दलाल स्ट्रीट में बुल्स ने पूरी ताकत के साथ वापसी की जिससे सेंसेक्स लगभग 1,700 अंक बढ़कर 76,794.06 के नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। निफ्टी50 483 अंकों तक चढ़ा। दोनों सूचकांक 4 जून के सभी नुकसान को पाटने में कामयाब रहे। ब्याज दर को अपरिवर्तित रखने के आरबीआई के फैसले के बाद बैंकिंग, वित्त, ऑटो और रियल एस्टेट जैसे दर-संवेदनशील क्षेत्रों में के शेयर 8त्न तक चढ़े। इस दौरान बीएसई पर सभी सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 7.68 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 423.57 लाख करोड़ रुपये हो गया। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन कारोबार के अंत में सेंसेक्स 1,618.85 (2.15त्न) अंक चढ़कर 76,693.36 के स्तर पर पहुंचा। दूसरी ओर, निफ्टी 468.75 (2.05त्न) अंक मजबूत होकर 23,290.15 के लेवल पर क्लोज हुआ। शुक्रवार को

आईटी और बैंकिंग सेक्टर के शेयरो में मजबूत दिखी। टेक सेक्टर के शेयर बाजार में टॉप गेनर्स के रूप में कारोबार करते दिखे। विप्रो के शेयरों में पांच प्रतिशत की मजूती आई, इंफोसिस के शेयर 3त्न चढ़े। वहीं, टेक महिंद्रा, टीसीएस और एचसीएल टेक के शेयरों में 2 से 3 प्रतिशत की बढ़त दिखी। सेंसेक्स में बजाज फाइनेंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील और रिलयंस के शेयरों ने भी मजबूत बढ़त हासिल की। इनके बल ही इंडेक्स को 192 अंकों की मजबूती मिली। इससे पहले भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने रेपो रेट को लगातार आठवीं बैठक में 6.5त्न पर बरकरार रखा है। सेंसेक्स की सभी 30 कंपनियां सकारात्मक क्षेत्र में बंद हुईं, जिसमें महिंद्रा एंड महिंद्रा, विप्रो, टेक महिंद्रा, भारती एयरटेल, इंफोसिस और टाटा स्टील सबसे अधिक लाभ में रहे। शियाई बाजारों में, सियोल और शंघाई लाभ के साथ बंद हुए जबकि टोक्यो और हांगकांग गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजार गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में स्थानीय मुद्रा मजबूत होकर 83.46 रुपए प्रति डॉलर पर खुली और कारोबार के दौरान 83.48 से 83.37 के दायरे में रही। अंत में रुपया डॉलर के मुकाबले 83.39 (अनंतिम) पर बंद हुआ, जो पिछली क्लोजिंग की तुलना में 14 पैसे की बढ़त दर्शाता है। गुरुवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 9 पैसे टूटकर 83.53 पर बंद हुआ था।

5 दिन में 579 करोड़ बढ़ी चंद्रबाबू नायडू की पत्नी की संपत्ति

नई दिल्ली। लोकसभा और आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनावों के नतीजों का ऐलान होते ही टीडीपी अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडू और उनकी पत्नी नारा भुवनेश्वरी की किस्मात और कंपनी दोनों चमक उठी है। आलम यह है कि पांच दिनों के अंदर भुवनेश्वरी की संपत्ति में 579 करोड़ रुपए का इजाफा हुआ है। उनकी संपत्ति बढ़ने की वजह उनकी कंपनी हेरिटेज फूड्स लिमिटेड है, जिसके शेयर की कीमतों में चुनाव नतीजों के बाद भारी उछाल आया है।

कोविड काल से ही बड़े झटके झेल रही एफएमसीजी सेक्टर की इस कंपनी के शेयर में लोकसभा चुनाव नतीजों के दिन बड़ा उछाल दर्ज किया गया। इस कंपनी में नारा भुवनेश्वरी की करीब 24.37त्न

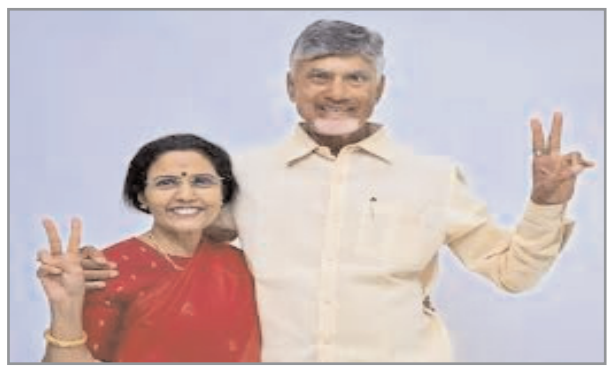

महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। उनके पास कंपनी के 2,26,11,525 शेयर हैं। 1992 में चंद्रबाबू नायडू ने इस कंपनी की स्थापना की थी। दूध, दही, लस्सी, पनीर, घी, चीज समेत अन्य डेयरी उत्पाद इसके प्रोडक्ट हैं। नारा भुवनेश्वरी इस कंपनी की मैनेजिंग डायरेक्टर और वाइस चेयरमैन हैं। मंगलवार को लोकसभा चुनाव नतीजों के दिन जब शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई, तब भी हेरिटेज फूड्स के शेयरों में उछाल दर्ज किया गया और तब से लगातार पांच दिनों से इसके शेयरों में शानदार तेजी देखने को मिली है। शुक्रवार को भी शेयर की कीमतों में उछाल आया और यह 659 रुपए प्रति शेयर पर पहुंच गया। पिछले पांच दिनों में हेरिटेज फूड्स के शेयर की कीमत में 256.10 रुपए प्रति शेयर की तेजी आई है। कंपनी के शेयर के दामों में आई बढ़ोत्तरी से चंद्रबाबू नायडू के बेटे एन लोकेश की भी संपत्ति में बड़ा उछाल दर्ज किया गया है। लोकेश भी इस कंपनी को प्रमोटर हैं। बता दें कि लोकसभा चुनाव के नतीजों के ही दिन आंध्रप्रदेश विधान सभा चुनावों के नतीजे भी आए हैं। इन नतीजों में चंद्रबाबू नायडू ने 10 साल बाद राज्य की सत्ता में जोरदार वापसी की है। 175 सदस्यों वाली आंध्र विधानसभा में चंद्रबाबू नायडू की पार्टी टीडीपी ने 135 सीटें जीती हैं।

अबूझमाड़ में पुलिस के संयुक्त ऑपरेशन में 7 नक्सली ढेर, सुबह से चल रही थी मुठभेड़

नारायणपुर। अबूझमाड़ के मुंगेडी, गोबल क्षेत्र में शुक्रवार की शाम नक्सलियों के लड़ाकू दस्ते कंपनी नंबर छह के साथ हुए मुठभेड़ में सुरक्षा बल ने 7 वर्दीधारी नक्सली मार गिराए हैं। मारे गए नक्सलियों के शव व हथियार पुलिस को मिल चुके हैं। मुठभेड़ में कई नक्सलियों के घायल होने की सूचना है। नारायणपुर डीआरजी के तीन जवान भी घायल हो गए हैं, जिन्हें घटनास्थल पर ही प्राथमिक उपचार दिया गया है और उनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। एक पखवाड़े पहले ही इसी क्षेत्र में 23 मई को सुरक्षा बल ने मुठभेड़ में आठ नक्सलियों को मार गिराया था। इसके साथ ही इस वर्ष मुठभेड़ में 120 से अधिक नक्सलियों के शव मिल चुके हैं।

चुनावी समीक्षा के लिए कांग्रेस की बैठक शुरू, मल्लिकार्जुन खरगे सहित सोनिया गांधी और राहुल-प्रियंका हुए शामिल

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव परिणाम के लिए कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक शुरू हो गई है। बैठक में कांग्रेस अध्?यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सहित सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा शामिल हुए हैं। बैठक में कांग्रेस चुनाव नतीजों की समीक्षा करेगी, साथ ही भविष्य की रणनीति पर भी मंथन होगा।बता दे कि कांग्रेस इस बैठक में तमाम राज्यों के पीसीसी चीफ के साथ ही विधायक दल के नेता भी शामिल होने पहुंचे हैं, जो राज्यवार पार्टी के प्रदर्शन पर मंथन करेंगे। साथ ही संगठन को बेहतर करने पर भी चर्चा होगी।गौरतलब है कि इस चुनाव में कांग्रेस की? स्थिति पिछली बार से कुछ हद तक सुधरी है, लेकिन पार्टी फिलहाल दहाई के अंक तक ही सीमित है। कांग्रेस को इस चुनाव में 99 सीटों पर जीत मिली है और वह दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। कांग्रेस के संसदीय दल की बैठक भी आज शाम को की जाएगी। जिसमें नेता प्रतिपक्ष का चुनाव होगा। कांग्रेस के एक धड़े की मांग है कि राहुल गांधी को दोबारा नेता प्रतिपक्ष बनाया जाना चाहिए। हालांकि शाम तक साफ हो जाएगा कि इस बार लोकसभा में पीएम मोदी के सामने कौन होगा।

सिंगल कॉलम

रेडीमेड गारमेंट कर्मचारी की डबल हार्ट अटैक से मौत

इंदौर। इंदौर के बाणगंगा में रहने वाले रेडीमेड दुकान कर्मचारी की हार्ट अटैक से मौत हो गई। परिवार के मुताबिक उसे घबराहट हुई थी। इसके बाद वह नजदीक के अस्पताल चलकर गया। उसे डॉक्टरों ने एमवाय अस्पताल रैफर कर दिया। यहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है। बाणगंगा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मनीष (30) पुत्र रामसिंह वर्मा की हार्ट अटैक से मौत हो गई। रिश्तेदारों ने बताया कि मनीष गुरुवार को उसकी मां को पोलो ग्राउंड फैक्ट्री में छोड़ने गया। इसके बाद घर आया। उसे घबराहट होने के साथ सीने में दर्द हुआ। वह नजदीकी वर्मा नर्सिंग होम पहुंचा। यहां से दवाई लेकर घर आ गया। कुछ देर बाद उसे फिर से तेज दर्द हुआ। रिश्तेदार उसे फिर वर्मा नर्सिंग होम लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने सीधे एमवाय अस्पताल ले जाने की बात कही। एमवाय अस्पताल पहुंचे तो डॉक्टरों ने प्रारंभिक जांच में मनीष को मृत घोषित करदिया। डॉक्टरों के मुताबिक उसे शुरूआत में माइनर हार्ट अटैक आया था। वह समझ नहीं पाया। इसके कुछ ही देर बाद उसे मेजर अटैक आया। इस दौरान उसकी मौत हो गई। मनीष के पिता रामसिंह की 15 साल पहले और बड़े भाई की कोविड से मौत हो चुकी है। मनीष अपनी मां के साथ रहता था। मनीष रिवर साइड कॉरीडोर पर पर रेडीमेड दुकान पर काम करता था। वहीं मां पोलो ग्राउंड की दवा फैक्ट्री में काम करती थी। परिवार में दो बहनें हैं। उनकी शादी हो चुकी है।

केस वापस लेने को लेकर महिला वकील के साथ मारपीट

इंदौर। इंदौर के परदेशीपुरा में एक महिला वकील के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। बताया जाता है कि केस वापस लेने को लेकर युवती और उसके दोस्त ने मारपीट की है। इस मामले में देर शाम महिला वकील ने थाने पहुंचकर मारपीट का केस दर्ज कराया है। परदेशीपुरा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक एडवोकेट पूजा तिवारी की शिकायत पर श्वेता, शिवानी और अंकित पर केस दर्ज किया गया है। गुरुवार को शिवानी की कोर्ट में तारीख थी। गुरुवार शाम करीब साढ़े आठ बजे पूजा तिवारी अपनी मां सुनीता के साथ जा रही थी। तब क्लाइंट शिवानी उसकी बहन श्वेता और उसके दोस्त अंकित ने कहा कि वह अपना केस दूसरे वकील से लड़वाना चाहते हैं। पूजा ने कहा कि आप फीस दे दो और एनओसी ले लो। फिर जिससे चाहो केस लड़ने का कह देना। इसके बाद श्वेता अमर्यादित भाषा का उपयोग करने लगी। इस बात से रोका तो अंकित ने हाथ उठा दिया और धक्का मारकर गिरा दिया। तब आसपास के दुकानदारों ने उन्हें बचाया। बाद में वह धमकी देकर चले गए। पीड़ित वकील मामले में शिकायत लेकर थाने पहुंची।

सोने की लटकन से भरी थैली लेकर भाग गई महिलाएं

इंदौर। इंदौर के सराफा बाजार में दो महिलाओं ने एक ज्वेलरी शॉप से सोने की लटकन से भरी थैली लेकर भाग गई। इसमें 150 ग्राम सोना रखा था। व्यापारी की शिकायत पर सराफा पुलिस ने गुरुवार देर रात अज्ञात महिलाओं पर चोरी का केस दर्ज किया है। पुलिस सीसीटीवी कैमरों से महिला की तलाश की जा रही है। सराफा थाने से मिली जानकारी के मुताबिक मून पैलेस कॉलोनी में रहने वाले प्रदीप जैन ने बताया कि उनकी बड़ा सराफा इंदौर में मण्डोत ज्वेलर्स के नाम से शॉप है। गुरुवार शाम करीब साढ़े पांच बजे उनकी शॉप पर दो महिलाएं आई थी। उन्होंने सोने की लटकन मांगी। एक लटकन पसंद आई तो उसमें कुछ सुधार करने के लिए कहा और एक हजार रुपए दे दिए। कहा कुछ देर में आकर लटकन ले जाएंगे।

झोन अध्यक्षों के साथ महापौर ने की समीक्षा बैठक

इंदौर। महापौर पुष्यमित्र भार्गव द्वारा जनतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दृष्टि से शुक्रवार को झोन अध्यक्षों के साथ शहर विकास, नागरिकों के साथ जन सहयोग एवं उनके दायित्वों के संबंध में महापौर सभा कक्ष में बैठक ली गई। बैठक में समस्त झोन अध्यक्ष एवं अन्य उपस्थित थे। महापौर द्वारा झोन अध्यक्षों के साथ नगरीय क्षेत्र में राजस्व वृद्धि के संबंध में व्यापक स्तर पर प्लानिंग करने, जलकर, संपत्ति कर, कचरा संग्राम शुल्क को बढ़ाना है या नहीं इस संबंध में सात दिवस में रिपोर्ट तैयार करने के लिए समस्त झोन अध्यक्षों के साथ चर्चा की गई। महापौर द्वारा मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार गंगा जल संवर्धन अभियान के तहत नागरिक क्षेत्र में स्थित जल स्त्रोतों के जनसभा गीता से संरक्षण एवं सफाई के संबंध में भी चर्चा की गई। साथ ही आगामी 14 जुलाई को इंदौर शहर में 51 लाख से अधिक पौधारोपण के संबंध में भी आवश्यक तैयारी करने हेतु चर्चा की गई। इसके साथ ही महापौर द्वारा झोन अध्यक्षों के साथ फोन स्तर पर किए जाने वाले कार्यों की जानकारी लेते हुए, आवंटित झोन क्षेत्र में निमार्णाधीन कार्यों का निरीक्षण करते हुए साप्ताहिक रिपोर्ट तैयार करने के भी संबंध में चर्चा की गई।

लोकसभा चुनाव में जीतू पटवारी पहले खुद का घर नहीं बचा सके, अब उठ रही विरोध की चिंगारी

सिटी चीफ इंदौर।

पांच माह पहले जब जीतू पटवारी को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली थी, तब माना जा रहा था कि यह कांटोभरा ताज उनके सिर पर है। अब लोकसभा चुनाव में प्रदेश में 29 में से एक भी सीट हासिल न कर पाने के कारण कांग्रेसियों ने ही उनकी चौरतरफा घेराबंदी शुरू कर दी है। विधानसभा चुनाव के बाद जिम्मेदारी मिलते ही अपने नेताओं को भाजपा में जाने से रोकने में विफल रहने के आरोप लगे। उसके बाद लोकसभा चुनाव में अपने ही घर यानी इंदौर के कांग्रेस प्रत्याशी को भाजपाई उड़ा ले गए और उन्हें भनक तक नहीं लगी। मालवा-निमाड़ में सभी सीटें हारने के बाद इंदौर, देवास और धार सहित अन्य जगहों से विरोध के स्वर बुलंद होने लगे हैं। कांग्रेस नेता अजय सिंह द्वारा उठाए गए सवालों के बाद अब पटवारी की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। कई कांग्रेसी खुद ही यह स्वीकारते हैं कि पटवारी आज भी युवक कांग्रेस अध्यक्ष की कार्यशैली से बाहर नहीं आ पाए हैं। पटवारी ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को नजरअंदाज किया। यही वजह है कि मनमाफिक परिणाम नहीं आने के बाद अब वरिष्ठ व पुराने नेता ही उनके खिलाफ मुखर हो रहे हैं। पटवारी ने प्रत्याशी तय करने व चुनावी रणनीति बनाने के लिए वरिष्ठ नेताओं से कभी मार्गदर्शन ही नहीं लिया। जबकि भाजपा की खामियों व आगामी रणनीतियों पर वरिष्ठ नेताओं का अनुभव काम आ सकता था। पटवारी का इन नेताओं के साथ मेलजोल भी कम रहा है। कांग्रेसी दबी जुबां में कह रहे हैं कि पटवारी ने पार्टी में सीनियर व जूनियर का भेद खत्म कर दिया था। वरिष्ठों का न तो सम्मान होता था और न ही निर्णय उनसे पूछकर लिए जाते थे।

पूछपरख न होने से शहर के नेताओं ने बदला पाला

कांग्रेस छोड़कर जो भी इंदौर के नेता भाजपा में शामिल हुए, उनकी पीड़ा यही रही कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पुराने लोगों व नेताओं को तव्वजो नहीं देते हैं। यदि पटवारी इंदौर में संजय शुक्ला, विशाल पटेल नेताओं के संपर्क में रहते व उनकी पूछपरख करते तो शायद वो उनके साथ में रहते। पंकज संघवी ने

भी पार्टी का पाला बदलते समय अपनी नाराजगी व्यक्त की थी। पाला बदलने वालों को पटवारी ने रोकने का भी प्रयास नहीं किया। बड़े नेताओं से संवादहीनता भी पटवारी को भारी पड़ी। प्रदेश में हुई हार की कांग्रेस समीक्षा करेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सहित सभी नेताओं ने कोई कसर नहीं छोड़ी। सभी ने पूरी मेहनत की। कुछ जयचंदों ने वातावरण जरूर दूषित करने का प्रयास किया। मतदाता समझ नहीं सके। बड़े नेताओं को हार का सामना करना पड़ा। - कृपाशंकर शुक्ला, वरिष्ठ कांग्रेस नेता चार महीने के कार्यकाल से किसी का आकलन करना अच्छी बात नहीं है। परिणाम जो भी आए वो सामूहिक जवाबदारी है, इसके लिए नेतृत्व को जिम्मेदार बताना ठीक नहीं। अब पार्टी के सभी लोगों को मिलकर जीतू पटवारी की नई कार्यकारिणी बनाने में मदद करें। - सज्जन वर्मा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता

बड़े नेता अपनी सीट बचाने में जुटे रहे, नहीं मिला साथ

इस बार के लोकसभा चुनाव में प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी अकेले ही प्रदेशभर में दौड़ते रहे। दिग्विजय सिंह, कांतिलाल भूरिया, कमलेश्वर पटेल, नकुल नाथ, प्रवीण पाठक, राधेश्याम मुवेल जैसे पार्टी के नेता अपनी सीट बचाने में जुटे रहे। इस वजह से पटवारी को उनका मार्गदर्शन भी नहीं मिल सका। जहां ये वरिष्ठ नेता या उनके परिवार के सदस्य मैदान में थे वहां ही कांग्रेस मैदान में दिखाई दी। प्रदेश में शेष सीटों पर यही प्रतीत हो रहा था मानो कांग्रेस पाटी ने सरेंडर कर दिया।

ट्रेनों में बिना टिकट यात्रा पड़ेगी भारी, अहिल्या और बजरंग स्क्वाड करेंगे कार्रवाई

सिटी चीफ इंदौर।

ट्रेनों में बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों की अब मुश्किलें बढ़ने वाली है, क्योंकि पहली बार रतलाम मंडल ने चेकिंग स्क्वाड में परिवर्तन करते हुए अलग-अलग नाम से दल बनाए है। जिन्हें बजरंग, अहिल्या, महाकाल, भीम और अर्जुन नाम दिए गए है। नाम इसलिए ताकि इन नामों से प्रोत्साहित होकर स्टाफ बेहतर तरीके से अपने काम को अंजाम दे सकें। यह दल चलती ट्रेन में बिना टिकट यात्रा करने वाले और अवैध व्यापार करने वालों की जांच कर मौके पर ही कार्रवाई करेंगे। बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्रियों द्वारा रसीद नहीं बनवाने पर कोर्ट में पेश किया जाएगा। ट्रेनों में नियमित रूप से टिकट निरीक्षक द्वारा लगातार यात्रियों के टिकट चेक किए जाते है। लेकिन कई बार बिना टिकट सफर करने वाले यात्री टीसी आने पर दूसरे कोच में चले जाते है और अपना स्टेशन आने पर उतर जाते है। जिससे रेलवे को राजस्व का नुकसान होता है। इसलिए रेलवे ने चलती ट्रेनों में ऐसे यात्रियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए विशेष दल बनाएं है। जो अलग-अलग ट्रेनों में समूह बनाकर जाते है, और कार्रवाई करते है। इस बार सीनियर डीसीएम द्वारा नए सिरे से पांच टिकट चेकिंग स्क्वाड बनाएं बनाए गए है। जिसमें से एक स्क्वाड में सिर्फ महिला टिकट निरीक्षणों को ही शामिल किया गया है। सीनियर डीसीएम हिना वी

केवलरामानी के अनुसार प्रयोग के तौर पर इन दलों को भीम, अर्जुन, महाकाल, बजरंग और अहिल्या नाम दिया गया है। ताकि स्टाफ दल के नाम से प्रोत्साहित होकर बेहतर कार्रवाई कर सकें। कई ट्रेनों में बिना टिकट रेल यात्रा करने वाली महिलाएं द्वारा पुरुष टिकट चेकिंग स्टाफ के साथ बदसलूकी की जाती है और आरोप भी लगाएं जाते है। जिसके चलते कई बार ऐसी महिलाएं बिना कार्रवाई की निकल जाती है। इसलिए अहिल्या दल बनाया गया है, जिसमें पांच उप मुख्य टिकट निरीक्षक और वाणिज्य सह टिकट लिपिक को शामिल किया गया है। वहीं अन्य दलों में पांच से सात उप मुख्य टिकट निरीक्षकों को शामिल किया गया है। किसी भी ट्रेन में कभी भी रतलाम मंडल का सेक्शन बड़ोदा, बीना, कोटा ओर गुना तक है। दल द्वारा कभी भी और सेक्शन के किसी भी हिस्से से ट्रेन में सवार होकर कार्रवाई की जाती है। कार्रवाई के बाद वापसी की ट्रेन में चढ़कर कार्रवाई करते हुए स्टेशन पहुंच जाते है।

पांच माह में एक करोड़ 36 लाख रुपए का राजस्व

पिछले माह में बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या 24 हजार 278 रही है। जिनसे एक करोड़ 36 लाख 30 हजार रुपए की वसूली की गई है।

डिप्टी डायरेक्टर आडिट समरसिंह व सहायक आडिटर रामेश्वर गिरफ्तार

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर नगर निगम में फर्जी बिलों के जरिए करोड़ों रुपये के भुगतान के मामले में पुलिस ने नगर निगम के दो और अधिकारियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए अधिकारी हैं डिप्टी डायरेक्टर आडिट समरसिंह परमार और सहायक आडिटर रामेश्वर परमार। इन आरोपितों द्वारा इस घोटाले में फाइलें पास कर आगे बढ़ाने की बात सामने आई है। गौरतलब है कि निगमायुक्त शिवम वर्मा द्वारा बनाई गई जांच कमेटी ने फर्जीवाड़े में आडिट विभाग के अधिकारियों की भूमिका संदेहास्पद होने की बात कही थी। इस पर कार्रवाई करते हुए निगमायुक्त ने आडिट विभाग के अधिकारियों पर कार्रवाई के लिए राज्य शासन को लिखा था। इसके आधार पर शासन के वित्त विभाग ने आडिट शाखा के चार वरिष्ठ अधिकारियों को निलंबित कर दिया था। इसमें संयुक्त संचालक अनिल कुमार गर्ग, डिप्टी डायरेक्टर समर सिंह, सहायक आडिटर रामेश्वर परमार और वरिष्ठ आडिटर जेएस ओहरिया शामिल हैं। एमजी रोड पुलिस ने शुक्रवार को समरसिंह परमार और रामेश्वर परमार को गिरफ्तार कर लिया। टीआइ विजयसिंह सिसौदिया के मुताबिक आरोपित समरसिंह और रामेश्वर ने पूछताछ में बताया कि दोनों वित्त विभाग से अप्रैल 2022 में पदस्थ हुए थे। आरोपितों द्वारा आडिट पर फाइलें भुगतान के लिए भेज दी गईं। पुलिस ने शुक्रवार को नोटिस जारी कर पूछताछ हेतु बुलाया और गिरफ्तारी ले ली। मामले में ज्वाइंट डायरेक्टर अनिल गर्ग और सीनियर आडिटर जगतसिंह ओरिया भी संदेही हैं। दोनों की भूमिका की जांच जारी है। इनकी हो चुकी है गिरफ्तारी मामले में समरसिंह परमार और रामेश्वर परमार के पहले फर्जीवाड़े का मास्टर माइंड माने जा रहे इंजीनियर अभय राठौर, उदय सिंह भदौरिया, चेतन भदौरिया, राजकुमार साल्वी, मुरलीधरन को गिरफ्तार किया जा चुका है। इसमें से मुरलीधरन को हाई कोर्ट से जमानत मिल चुकी है। इसी तरह ठेकेदार मोहम्मद सिद्दकी, मोहम्मद जाकिर, मोहम्मद साजिद, राहुल वढेरा, रेणु वढेरा, इमरान, मौसम व्यास को भी गिरफ्तार किया जा चुका है। मामले में एहतेमाश उर्फ काकू और सुनील गुप्ता की कार से मूल फाइलों को चुराने का संदिग्ध आरोपित आशु फरार है।

इंदौर में देर रात से शुरू हुई बारिश ने मौसम किया सुहाना, दोपहर बाद जमकर बरस सकते हैं बादल

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर शहर और आस-पास के इलाकों में शुक्रवार रात से ही बादल छाने लगे थे, देर रात से सुबह तक बारिश से मौसम में ठंडक आ गई है। इससे लोगों को गर्मी से राहत मिली है। इस दौरान कुछ इलाकों में बिजली आती-जाती रही। पिछले दिनों हुई हल्की बारिश के बाद आई धूप से शहर के लोग उमस से परेशान हो चुके थे। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक शनिवार को दोपहर बाद तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना है। वर्तमान में एक पश्चिमी विक्षोभ हिमालय क्षेत्र के समीप बना हुआ है। शुक्रवार दोपहर तीन बजे बाद गरज-चमक के साथ शहर के पूर्वी हिस्से में

रीगल, सपना संगीता रोड, छावनी क्षेत्र में हल्की बूंदाबांदी भी हुई। चार बजे शहर में धूल भरी आंधी चली और हवाएं अधिकतम 55 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से चली। दिन में हवाएं औसतन 15 से 20 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से चल। हालांकि शाम के समय गर्मी व उमस का असर कम रहा। शुक्रवार रात को पलासिया क्षेत्र में बूंदाबांदी हुई। जिससे मौसम ठंडा हुआ।

शुक्रवार को 40 डिग्री पर पहुंचा पारा

शुक्रवार को सूरज की तपिश ने तेज गर्मी का अहसास करवाया। करीब एक सप्ताह बाद पारा फिर से 40 डिग्री पार पहुंचा। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 40.5 डिग्री दर्ज किया गया। दोपहर में बादल भी छाए रहे। बादलों के कारण रात के तापमान में भी बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। शुक्रवार को इंदौर में न्यूनतम 28.1 डिग्री दर्ज किया गया जो सामान्य से तीन डिग्री अधिक था।

एमबीए पेपर लीक मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

सैकड़ों छात्रों से हुई पूछताछ

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। देवी अहिल्या विश्विद्यालय में एमबीए पेपर लीक के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इसमें आइडलिक इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट इंदौर के कम्प्यूटर आपरेटर दीपक सोलंकी औ इसी कालेज के दो छात्रों को गिरफ्तार किया गया है। आपरेटर दीपक (उम्र 25) रंगवासा रोड़ पर रहता है और इन छात्रों के साथ पेपर लीक करने में उसकी भूमिका की पुलिस जांच कर रही है।

विभिन्न छात्र संगठनों ने पेपर लीक के मामले में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली का विरोध किया था। इसके साथ पेपर लीक से संबंधित ज्ञापन देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में दिया गया था। छात्र संगठनों द्वारा पेपर लीक करने वालों के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की मांग की गई थी तथा प्रकरण की जांच के संबंध में विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा पुलिस उपायुक्त जोन-3 एवं क्राइम ब्रांच में शिकायत पत्र प्रस्तुत किया गया। इसके बाद पुलिस आयुक्त इंदौर द्वारा तत्काल प्रकरण पंजीबद्ध करने और शीघ्र आरोपियों की गिरफ्तारी करने का निर्देश थाना प्रभारी थाना छोटी ग्वालटोली इंदौर को दिया गया। जांच टीम ने समस्त परीक्षा केन्द्रों व सैकड़ों छात्रों से पूछताछ कर जानकारी ली और तकनीकी रूप से साक्ष्य जुटाए। इसके बाद दीपक को पकड़ा गया।

30 मई को दर्ज हुई थी एफआईआर

इंदौर में एमबीए के दो पेपर आउट होने के मामले में 30 मई को एफआईआर दर्ज की गई थी। डीएवीवी यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने क्राइम ब्रांच में इसकी

शिकायत की थी। दोनों ही पेपर एमबीए फर्स्ट सेमेस्टर की परीक्षा के थे। यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने भी इस मामले में जांच कमेटी बनाई। एमबीए फर्स्ट सेमेस्टर का अकाउंटिंग फॉर मैनेजर्स विषय का पेपर एक दिन पहले सोशल मीडिया पर हूबहू स्टूडेंट्स तक पहुंच गया था। अगले दिन सुबह 11 बजे पेपर से मिलान किया तो पता चला यह वही पेपर है जो रात में छात्रों के पास पहुंचा था। इसके बाद एग्जाम कमेटी ने बैठक कर पर्चा निरस्त कर दिया था। इसके अलावा 25 मई को हुए क्वांटिटिव टैक्निक विषय के पेपर को भी निरस्त किया गया था। पेपर लीक पर यूनिवर्सिटी ने जांच कमेटी बनाई है। डिप्टी रजिस्ट्रार रचना ठाकुर के अनुसार चार सदस्यीय इस कमेटी में लोकपाल नरेंद्र सत्संगी, अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा डॉ. सुधा सिलावट, डीसीडीसी डॉ. राजीव दीक्षित और डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. एलके त्रिपाठी जांच कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ पेपर लीक के मामले में छात्र संगठन एबीवीपी के कार्यकर्ता लगातार प्रदर्शन कर रहे थे। छात्रों की मांग है कि दोषियों को कड़ी सजा मिलना चाहिए।

भोपाल में बिखरे दक्षिण भारतीय कला- संस्कृति के रंग, केरल-फेस्ट का रंगारंग आगाज

सिटी चीफ भोपाल।

बिट्टन मार्केट का मैदान शुक्रवार शाम से केरल की कला- संस्कृति के रंग में रंग गया। यूनाइटेड मलयाली एसोसिएशन की 40वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय केरल फेस्ट और सांस्कृतिक समारोह का शुभारंभ शुक्रवार शाम को हुआ। मालयाली समाज द्वारा आयोजित समारोह में जहां पहले दिन सभी स्टाल खुल नहीं पाए, वहीं रात तक गीत-संगीत और नृत्य की महफिल सजी रही। बड़ी संख्या में शहरवासी केरल की वर्षों पुरानी कला एवं शिल्प के हुनर से शहरवासी रूबरू हुए। फूड लवर्स ने केरल के लजीज व्यंजनों का लुत्फ उठाया। कार्यक्रम के पहले दिन प्रतिभालय आर्ट्स अकादमी की नृत्यांगनाओं द्वारा शास्त्रीय नृत्य की प्रस्तुति दी गई, जिसे मंजू और विशाल हतवलने द्वारा कोरियोग्राफ किया गया। इसके बाद केरल के लोक नृत्यों की

प्रस्तुति हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश के सहकारिता एवं खेल व युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने किया। देर रात तक चले कार्यक्रम में भोपाल में निवासरत दक्षिण भारत के लोगों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की।

केरल के कला रूपों को देखने का मौका मिला

शास्त्रीय प्रस्तुति में नृत्यकारों की अभिव्यक्तिपूर्ण गतियां और भावपूर्ण कहानियों ने दर्शकों को मोहित कर दिया, जिससे भारतीय शास्त्रीय नृत्य रूपों की शाश्वत सुंदरता का प्रदर्शन हुआ। इसके बाद कला रूपांगल शीर्षक के तहत पारंपरिक केरली कला रूपों का एक जीवंत प्रदर्शन प्रस्तुत किया गया। इस खंड में केरल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाने वाले प्रदर्शनों को समर्पित किया गया। सांस्कृतिक आयोजन के मुख्य आकर्षण में केएफ थामस गुरुक्कल द्वारा चलाई गई चुंबकीय कला का प्रदर्शन था। कड़थनादन कलरी संगम के मुख्य मास्टर ट्रेनर थामस गुरुक्कल ने उपस्थित दर्शकों को अपने व्यापक ज्ञान और उत्साह से प्रेरित किया। कलरिप्पयाट्टु विधा में यह प्रदर्शन 13 कुशल कलाकारों की एक रोमांचक प्रस्तुति थी। प्रदर्शन ने केवल कलरिप्पयाट्टु के शारीरिक पहलुओं का ही नहीं, बल्कि इसके दार्शनिक और आध्यात्मिक आयामों का भी प्रदर्शन किया। इसके बाद कला-जनजातीय अध्ययन अनुसंधान प्रशिक्षण केंद्र के माणिक्यकल्लु का प्रदर्शन भी हुआ, जिसमें उपस्थित लोगों को केरल के पारंपरिक कला रूपों के मोहक प्रदर्शनों का आनंद लेने का अवसर मिला। इसमें प्रमुख रूप से प्रसिद्ध तेय्यम नृत्य और ग्रीष्मकालीन नृत्य मायूर नृत्य (पीकाक डांस) शामिल थे, जो अपनी शानदार परिधानों और प्रभावशाली प्रस्तुतियों के लिए जाने जाते हैं।

लखौरी ईंटों से बना है रानी कमलापति महल, तीन मंजिलें डूबी हैं पानी में, दिलचस्प है इसका इतिहास

सिटी चीफ भोपाल।

कमला पार्क के पास स्थित है रहस्यमयी कमलापति महल। यहां बाद में बनी भोपाल की वीरांगना गोंड रानी कमलापति की आदमकद प्रतिमा जितनी प्रसिद्ध है, उतना ही उनका महल भी है। आज से लगभग 300 साल पहले रानी कमलापति महल का निर्माण हुआ था, जिसमें मुगलकालीन वास्तुकला देखने को मिलती है। खास बात यह है कि छोटे तालाब के किनारे बने इस महल की तीन मंजिलें अभी भी पानी में डूबी हुई हैं। यह महल भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की भोपाल जिले में स्थित एकमात्र नान लिविंग साइट है। इसका निर्माण लखौरी ईंटों से किया गया है।

सैलानियों को लुभाता है महल

अगर आप इतिहास को जानने में रुचि रखते हैं और ऐसी जगहों की सैर पसंद करते हैं जहां कुछ नया जानने का मौका मिले, तो इस महल को जरूर देखना चाहिए। यह यकीनन आपकी ट्रिप को मजेदार बना देगा। कमलापति महल बहुत ही रहस्यमयी है। सात मंजिला इस महल की तीन मंजिलें पानी के अंदर डूबी हुई हैं। पहले पांच मंजिलें डूबी रहती थीं, लेकिन तालाब का जल स्तर कम होने की वजह से यह स्थिति बनी है। इस महल से जुड़ी कई रोचक कहानियां भी हैं।

300 साल पुराना है

रानी कमलापति महल का निर्माण लगभग 300 साल पहले हुआ था।

इतिहास के जानकारों के मुताबिक निजाम शाह की पत्नी रानी कमलापति ने इस महल का निर्माण करवाया था। इसलिए इसका नाम कमलापति महल रखा गया था, लेकिन इसे भोजपाल का महल और जहाज महल के नाम से भी जाना जाता है। रात के वक्त इस महल की परछाई बिल्कुल जहाज जैसी लगती है।

लखौरी ईंटों से बना

इस महल को खास लखौरी ईंटों से बनाया गया था, जिसे लाहौर शहर से मंगवाया गया था। ये ईंटें बहुत मजबूत होती हैं, जिससे महल को मजबूत बनाया जा सके। महल के सामने की ओर छज्जे बनाए गए हैं। महल के निचले हिस्से को भारी पत्थरों के आधार पर बनाया गया था, जिससे महल कभी भी झील में ना धंस सके।

इसलिए डूबा था महल

इतिहास की जानकार पूजा सक्सेना बताती हैं कि राजा निजाम शाह का दोस्त मोहम्मद खान रानी कमलापति पर बुरी नजर रखता था और उन्हें अपनी रानी बनाना चाहता था। इसके चलते रानी के बेटे और मोहम्मद खान के बीच युद्ध हुआ। युद्ध में रानी के बेटे नवल शाह की मृत्यु हो गई। बेटे की मौत की सूचना मिलते ही रानी ने महल की तरफ बांध का सकरा रास्ता खुलवा दिया, जिससे तालाब का पानी महल में समाने लगा। ऐसा रानी ने खुद को बचाने के लिए किया था। थोड़ी ही देर में पूरे महल में पानी भर गया और इमारतें डूबने लगीं। रानी कमलापति ने इसी पानी में समाधि ले ली। रानी ने जिस स्थान पर जल समाधि ली थी, वहां वर्तमान में रानी की आदमकद प्रतिमा स्थापित है। सन् 1989 में कमलापति महल को राष्ट्रीय धरोहर के रूप में आर्कियोलाजिकल सर्वे आफ इंडिया (एसआइ) को सौंप दिया गया था। बड़ी संख्या में सैलानी इसे देखने आते हैं।

प्रोजेक्ट का 95 प्रतिशत काम पूरा, गायत्री मंदिर के पास बनाई जाना है 280 मीटर की आरई वाल

नर्मदा लाइन की शिफ्टिंग ने अटकाया जीजी फ्लाईओवर की लोड टेस्टिंग का काम

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। एमपी नगर के गणेश मंदिर से लेकर गायत्री मंदिर तक बन रहे जीजी फ्लाईओवर के प्रोजेक्ट में नर्मदा पाइप लाइन की शिफ्टिंग का काम लंबे समय से रोड़ा बना हुआ है। लोक निर्माण विभाग के अधिकारी नगर निगम के अधिकारियों से नर्मदा पाइप लाइन को हटाने के लिए कई बार कह चुके हैं, लेकिन निगम के अधिकारी लापरवाह हैं। वह भीषण गर्मी का हवाला देकर शिफ्टिंग के काम से पल्ला झाड़ रहे हैं।

प्रोजेक्ट का 95 प्रतिशत काम हो चुका है। गायत्री मंदिर के पास 280 मीटर की आरई वाल बनाई जानी है। आरई वाल के बनने से नीचे की तरफ आने वाली सड़क का निर्माण होना है, लेकिन यह दोनों काम पूरे नहीं हो पाने के कारण लोड टेस्टिंग भी नहीं हो पा रही है। इस वजह से यह प्रोजेक्ट डिले होता जा रहा है। जीजी फ्लाईओवर प्रोजेक्ट के गणेश मंदिर और क्राइम ब्रांच की तरफ के सारे काम हो चुके हैं। सिर्फ गायत्री मंदिर के पास आरई वाल और सड़क का निर्माण किया जाना बाकी है। यहां करीब 280 मीटर लंबी आरई वाल बनाई जाना है।अधिकारियों का कहना है कि नर्मदा पाइप लाइन के नहीं हटने की वजह से यह काम पिछले तीन महीने से अटका हुआ है। यह काम तभी मुमकिन है जब नर्मदा लाइन हटेगी।

भीषण गर्मी की वजह से नहीं हटाई लाइन

नगर निगम जलकार्य शाखा के अधीक्षण यंत्री

उदित गर्ग ने बताया कि भीषण गर्मी के पड़ने की वजह से नर्मदा लाइन को शिफ्ट नहीं किया जा सका। लाइन शिफ्ट करते दो तीन से चार दिन पानी की सप्लाई प्रभावित होती। नरेला और गोविंदपुरा विधानसभा की कई कालोनियों में इस नर्मदा पाइप लाइन से पानी सप्लाई होता है। उक्त क्षेत्रों में बड़ी आबादी रहती है, ऐसे में पानी की सप्लाई नहीं होती तो वहां हालत बिगड़ जाते। हालांकि लाइन की शिफ्टिंग की तैयारियां पूरी हैं, जैसे ही गर्मी थोड़ी कम होगी, लाइन को जल्द शिफ्ट किया जाएगा।

इनका कहना है

प्रोजेक्ट का काम 95 प्रतिशत पूरा हो चुका है । गायत्री मंदिर के पास आरई वाल का काम होना है, लेकिन नर्मदा लाइन की शिफ्टिंग नहीं हो पाने के कारण यह काम अटका हुआ है।

जावेद शकील, सहायक यंत्री, पीडब्ल्यूडी भोपाल

विधानसभा स्तर की नई इकाइयों के चुनाव अगस्त में संभव, तब तक के लिए नए प्रभारी किए जाएंगे मनोनीत

प्रत्याशियों की शिकायत के बाद युवा कांग्रेस की विधानसभा इकाइयां भंग

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस ने विधानसभा स्तर पर गठित इकाइयों को भंग कर दिया है। लोकसभा चुनाव में अधिकांश प्रत्याशियों ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में हुई समीक्षा बैठक में शिकायत की थी कि विधानसभा प्रभारी और कार्यकारिणी के अन्य लोगों ने चुनाव में सहयोग नहीं किया। यह भी शिकायतें आई थीं कि कुछ ने भाजपा का साथ दिया। इसके बाद कार्यकारिणी भंग कर दी गई। इनका गठन वर्ष 2020 में दो वर्ष के लिए किया गया था। वर्ष 2023 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनाव को देखते हुए इनका कार्यकाल बढ़ा दिया गया था। अब असहयोग और विवाद की शिकायत सामने आने के बाद इन्हें भंग कर दिया गया है।

मनोनीत किए जाएंगे नए प्रभारी

युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों ने बताया कि विधानसभा स्तर की नई इकाइयों के चुनाव अगस्त में संभावित हैं। तब तक के लिए नए प्रभारी मनोनीत किए जाएंगे। 10 जून को भोपाल में प्रदेश कार्यकारिणी और जिला अध्यक्षों की बैठक होनी है, इसमें लोकसभा इकाइयों के कार्यों की समीक्षा की जाएगी। इसके बाद लोकसभा इकाइयों को भी भंग कर नए सिरे चुनाव कराने की तैयारी हैं। बता दें कि डा. विक्रांत भूरिया के त्यागपत्र देने के बाद मितेंद्र दर्शन सिंह यादव को युवा कांग्रेस का नया प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। वह अपने हिसाब से टीम बना रहे हैं।

पति, सास-ससुर और देवर के खिलाफ पुलिस ने दर्ज किया केस

10 लाख और कार नहीं लाने पर आरक्षक को घर से निकाला

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी में महिला थाना पुलिस ने एक महिला आरक्षक की शिकायत पर उसके पति एवं ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ दहेज एक्ट, धमकाने का केस दर्ज किया है। आरोपियों ने 10 लाख रुपये एवं कार की मांग पूरी नहीं होने पर महिला और दो बच्चों को घर से बेदखल कर दिया है।

महिला थाना के एएसआई रामकुशल ने बताया कि राजधानी पुलिस में पदस्थ 36 वर्षीय आरक्षक नेहरू नगर क्षेत्र में रहती है। उसने अपनी शिकायत में बताया कि जून 2020 में उसकी शादी बैतूल में हुई थी। उसके पति निजी काम करते थे। शादी के कुछ दिनों बाद से ही पति एवं सास-ससुर मायके से दहेज लाने का दबाव बनाने लगे थे। मांग पूरी

करने के लिए उसे शारीरिक एवं मानसिक रूप से परेशान किया जाने लगा था। समय बीतने के साथ उनके दो बच्चे हुए। उसे लगा कि बच्चों के आने के बाद शायद पति एवं ससुराल वालों के व्यवहार में कुछ परिवर्तन आने लगेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वे लोग दहेज में 10 लाख रुपये एवं कार लाने के लिए दबाव बनाने लगे। उसने जब दहेज का विरोध किया, तो उसे और उसके बच्चों को घर से बाहर निकाल दिया। जिसके चलते वह बच्चों के साथ मायके में आकर रहने लगी। उसके मायके वालों ने पति वह उसके माता-पिता को समझाने की कोशिश भी की, लेकिन वह नहीं माने।

आरोपियों को भेजा नोटिस

शिकायत के आधार पर पुलिस ने महिला आरक्षक के पति, सास, सुसुर एवं देवर के खिलाफ दहेज एक्ट एवं धमकाने का केस दर्ज कर लिया है। आरोपियों को थाने में उपस्थित होने का नोटिस जारी किया गया है। नोटिस तामील नहीं होने पर पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए बैतूल जाएगी।

भूसे से भरी ट्रैक्टर ट्राली और कार में भिड़ंत, बचा परिवार

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। रातीबड़ इलाके में बीती रात ट्रैक्टर ट्राली व कार में आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। इस हादसे में कार बुरी तरह से चकनाचूर हो गई। हालांकि गनीमत यह रही कि कार में सवार दंपती व बच्चे को गंभीर चोट नहीं आई। हादसे के बाद दोनों गाड़ी वालों में समझौता हो गया। इसके बाद बाद उन्होंने थाने में किसी प्रकार की शिकायत नहीं की। जानकारी के मुताबिक सीहोर में रहने वाला परिवार कोलार इलाके में आयोजित किसी कार्यक्रम में शामिल होन के लिए आया था। परिवार में पति-पत्नी व बच्चा था। लौटते समय उन्हें देर हो गई। रात करीब दो बजे वह कलियासोत वाले रास्ते से होते ही सीहोर जा रहे थे। उनकी कार अभी वुलमदर फार्म हाउस के पास पहुंची ही थी कि यहां पर सामने से आ रही ट्रैक्टर-ट्राली ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगने के कारण कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। सड़क से गुजर रहे लोगों ने हादसे की सूचना डायल-100 के जरिए पुलिस को दे दी।

निरीक्षण के दौरान बोरे में कचरा भरकर फेंकता नजर आया था युवक

छोटे तालाब में फेंक रहा था कचरा, महापौर ने पकड़वाए कान

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। सफाई के मामले में भोपाल को फिर से नंबर एक पर ले जाने के लिए यहां की महापौर मालती राय लगातार कार्रवाई कर रही हैं। शुक्रवार को मेयर ने अलग-अलग तालाबों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान छोटे तालाब में एक शख्स बोरी भरकर कचरा फेंक रहा था।

जब उस शख्स पर मालती राय की नजर पड़ी तो उन्होंने नाराजगी जताते हुए उस शख्स से कान पकड़वाए और माफी भी मंगवाई। महापौर मालती राय ने बताया कि सुबह तालाबों का निरीक्षण करने निकली थी। जैसी ही उनकी गाड़ी तालाब के पास से निकल रही थी, उनको एक व्यक्ति दिखा जो तालाब में बोरी फेंक रहा था। उन्होंने तुरंत गाड़ी रुकवाई और व्यक्ति ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए कान पकड़कर माफी मांगी। व्यक्ति के पास तीन बोरियां थी, एक बोरी वह तालाब में फेंक चुका था, दो बोरी उसको वापस ले जाने के लिए कहा गया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को भी फटकार लगाई और कहा है कि जो अधिकारी इस क्षेत्र में जिम्मेदार हैं, अगर यहां गंदगी देखी गई तो अधिकारियों पर जुमार्ना लगाया जाएगा।

रोजाना शाम को ली जाएगी अभियान की रिपोर्ट

गौरतलब है कि राजधानी भोपाल में नमामि गंगे अभियान चलाया जा रहा है। निरीक्षण करने पहुंची महापौर मालती राय ने कहा है कि स्वच्छता अभियान के लिए भोपाल

में 12 जलाशयों को चिन्हित किया गया है। निगम कर्मचारियों को जलाशय की सफाई की जिम्मेदारी सौंपी गई है। हर रोज शाम को अभियान की रिपोर्ट ली जाएगी। अतिक्रमण, कचरा और जलकुंभी की रिपोर्ट तैयार की जाएगी। 10 दिन के इस अभियान में 12 जलाशयों को जनता की मदद से साफ किया जाएगा।

महापौर हेल्प लाइन की शिकायतों का जल्द किया जाएगा निराकरण

तालाबों का निरीक्षण करने पहुंची महापौर मालती राय ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि 16 मार्च के बाद महापौर हेल्प लाइन में कई शिकायतें आई हैं, जिसका निराकरण करने की तैयारी पूरी कर ली गई है। शिकायतों की सूची बनकर तैयार है, अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंप दी गई है। जल्द ही सभी शिकायतों का निराकरण कर लिया जाएगा। अधिकारी-कर्मचारियों की तरफ से लापरवाही बरतने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा।

साम्पदकीय

अपने काम का फायदा नहीं उठा सके नवीन पटनायक

ओडिशा में नवीन पटनायक की एक कमी रही कि वे अपनी सार्थक पहलों का श्रेय लेने का प्रचार करने में पीछे रह गए। वहीं इन योजनाओं के क्रियान्वयन का दायित्व नौकरशाहों को सौंपने की वजह से उसका लाभ पार्टी को राजनीतिक तरीके से नहीं मिल पाया।

लोकसभा चुनाव में भले ही भारतीय जनता पार्टी का प्रदर्शन 2019 की तुलना में कमजोर रहा, लेकिन ओडिशा के नतीजों से विरोधियों को चौंका दिया। बीजेडी सुप्रीमो और मुख्यमंत्री नवीन पटनायक तक को कांटाबांजी सीट पर हार का सामना करना पड़ा। उन्हें भाजपा के लक्ष्मण बाग ने 16 हजार से अधिक मतों से हराया। आपको बता दें कि पटनाक दो-दो सीटों से चुनाव लड़ रहे थे। 2019 के विधानसभा चुनाव में नवीन पटनायक ने हिंजिली और कांटाबांजी दोनों पर ही जीत हासिल की थी। इस चुनाव में हिंजिली में उन्हें जीत तो जरूर मिली, लेकिन अंतर सिर्फ 4600 मतों का रह गया। साथ ही पटनायक ने ओडिशा की सत्ता भी गंवा दी। नवीन पटनायक कुछ दिन और सत्ता में रह पाते तो उनका मुख्यमंत्री के रूप में कार्यकाल देश में सबसे ज्यादा होता। इसके बावजूद लगातार 24 साल तक उन्होंने एकछत्र राज किया। हालांकि, इस बार के लोकसभा चुनाव के साथ कराए गए ओडिशा विधानसभा चुनावों में उनकी पार्टी बीजू जनता दल को करारी हार का सामना करना पड़ा। जिस पार्टी को नब्बे के दशक में राज्य की राजनीति में पैर रखने की जगह बीजेडी ने दी थी, उसी ने उन्हें सत्ता से बेदखल कर दिया। राज्य में अब भाजपा पहली बार सरकार बनाने जा रही है। उसे विधानसभा की 78 सीटें मिली हैं। वहीं आम चुनाव में लोकसभा की कुल इक्कीस सीटों में से बीस सीटें भाजपा को मिली हैं। वक्त का पहिया कुछ ऐसा घूमा है कि लगातार पांच बार विधानसभा चुनाव जीतने और चौबीस साल तक निष्कंटक राज करने वाले नवीन पटनायक अपने एक अन्य विधानसभा क्षेत्र से चुनाव हार गए। बीजेडी को 51 विधानसभा सीटों पर सफलता जरूर मिली मगर लोकसभा की एक भी सीट बीजेडी नहीं जीत सकी। पिछले लोकसभा चुनाव में बीजेडी ने 12 व भाजपा ने आठ सीटें जीती थी। हालांकि, राजनीति के पुराने खिलाड़ी नवीन पटनायक को इस बात का बखूबी अहसास था कि भाजपा उन्हें सत्ता से विस्थापित कर सकती है। फलतः उन्होंने अपने अंतिम कार्यकाल में भाजपा की काट के लिये सांस्कृतिक राजनीति का सहारा लेना शुरू कर दिया था। वे महसूस कर रहे थे कि ओडिशा के छोटे शहरों के युवाओं का रुझान भाजपा के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की तरफ बढ़ रहा है। अब तक लोक कल्याण योजनाओं को अपनी राजनीति की धार बनाने वाले नवीन पटनायक ने अयोध्या की रणनीति के मुकाबले में श्रीजगन्नाथ मंदिर के आसपास में एक हेरिटेज कॉरिडोर को मूर्त रूप देने का प्रयास किया। राज्य के अनेक प्राचीन मंदिरों को जीर्णोद्धार के जरिये नए सिरे से निखारा गया। इसके अलावा हाल ही में पहले विश्व ओड़िया भाषा सम्मेलन आयोजित करके साहित्य व संस्कृति कर्मियों को जोड़ने का प्रयास किया गया।

दरअसल, राज्य में बदलती राजनीतिक बयार के मद्देनजर नवीन पटनायक ने युवाओं पर केंद्रित कार्यक्रमों को तरजीह दी। लोकप्रिय कल्याण कार्यक्रमों से इतर पटनायक ने बीजेपी की तरफ बढ़ रहे युवाओं को साथ जोड़ने के लिये ओडिशा को देश के खेलों की राजधानी बनाने का प्रयास किया। उन्होंने उन खेलों को तरजीह दी जो क्रिकेट की सुनामी में हाशिये पर जा रहे थे। पटनायक सरकार ने हॉकी की राष्ट्रीय पुरुष व महिला हॉकी टीम को प्रायोजित किया। इसके अलावा पर्याप्त खेल संरचना के विस्तार के साथ ही राज्य में दो विश्व हॉकी कप श्रृंखला आयोजित की गई। राज्य में शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं की असंतोषजनक स्थिति के मद्देनजर अस्पतालों का आधुनिकीकरण, स्कूलों की संरचना में बदलाव, बस सेवाओं में सुधार के प्रयास पिछले कुछ समय में किए गए। लेकिन उनकी एक कमी रही कि अपनी इन सार्थक पहलों का श्रेय लेने का प्रचार करने में वे पीछे रह गए। वहीं इन योजनाओं के क्रियान्वयन का दायित्व नौकरशाहों को सौंपने की वजह से उसका लाभ पार्टी को राजनीतिक तरीके से नहीं मिल पाया। वहीं अपने राजनीतिक उत्तराधिकारी के रूप में नौकरशाह वीके पांडियन को पार्टी व शासन में अधिक अधिकार देने का खमियाजा भी नवीन पटनायक ने भुगता। दरअसल, पांडियन तमिलनाडु मूल के हैं और ओडिशा में उनकी बेहद महत्वपूर्ण भूमिका को एक बड़ा मुद्दा बना दिया गया। जिसका भाजपा ने खूब प्रचार किया। दरअसल, सत्ता में लगातार वर्चस्व बनाये रखने वाले पटनायक ने अपने आसपास किसी राजनीतिक विकल्प बनने की संभावना को कभी पनपने नहीं दिया। पांडियन प्रकरण पटनायक के लिए बेहद नुकसानदायक साबित हुआ क्योंकि ओडिशा में एक धारणा बन गई कि राज्य की बागडोर एक गैर ओड़िया व्यक्ति को सौंपी जा रही है। दरअसल, प्रशासनिक सेवा से इस्तीफा देकर पांडियन जैसे बीजेडी में शामिल हुए और उन्होंने राजनीतिक अभियानों में भाग लिया, भाजपा ने इसे ओड़िया अस्मिता का अपमान बताकर इसे बड़ा मुद्दा बना दिया। बाद में पटनायक की सफाई भी काम नहीं आई।

मंदिर बनाने के बाद भी अयोध्या क्यों हारी बीजेपी?

अयोध्या में साल 2020 में जब यहां विकास कार्य शुरू हुए तो सड़कों के चौड़ीकरण के दौरान बड़ी संख्या में मकान और दुकानें टूटीं। बड़ी संख्या में लोगों का रोजगार छिना। व्यापारी वर्ग का आरोप है कि उन्हें मकानों और दुकानों के अधिग्रहण का उचित मुआवजा नहीं मिला।

फैजाबाद लोकसभा सीट के नतीजे से हर कोई हैरान है। हैरान इसलिए कि आखिर भगवा पार्टी उस लोकसभा सीट से कैसे हार सकती, जहां उसकी सरकार के दौरान अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण कराया था। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा ऐसे वक्त हुई जब इसी साल देश में लोकसभा चुनाव होने थे। हालांकि, यह भी बीजेपी की एक रणनीति के तहत हुए था, लेकिन इन सबके बावजूद भगवा पार्टी को यहां से करारी हार का सामना करना पड़ा, जो भगवा पार्टी के गले नहीं उतर रहा है। मगर बीजेपी की सियासी जमीन यहां साल 2022 के विधानसभा चुनाव में ही दरक चुकी थी। वह 2024 के लोकसभा चुनाव आते आते पूरी तरह खिसक गई। इस सीट पर आए नतीजे ने हिंदुत्व के समर्थकों को चिंता में जरूर डाल दिया है, लेकिन बीजेपी ने वक्त रहते उन नतीजों से सबक लिया होता तो शायद पार्टी को इस बार जोर का झटका न लगता।

2022 के चुनाव में भाजपा ने जिले के पांच विधानसभा सीटों में से दो गवां दी थीं। बावजूद इसके भाजपा सजग नहीं हुई, जिसका खामियाजा उसे 2024 के लोकसभा चुनाव में भुगतना पड़ा।

इस पूरी कहानी को समझने के लिए हमें थोड़ा पीछे चलना पड़ेगा। योगी आदित्यनाथ की पहली सरकार 2017 में आई तो उन्होंने अयोध्या को नगर निगम का दर्जा दिया। उस समय अयोध्या की सभी पांच विधानसभा सीटों पर भाजपा ने कब्जा जमाया। इसके बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में भी भाजपा को शानदार जीत मिली। इसके बाद 2019 में राममंदिर के हक में निर्णय आया। पांच अगस्त 2020 को अयोध्या में राममंदिर का भूमिपूजन भी हुआ।

2022 के चुनाव में अयोध्या जिले की पांच में से दो विधानसभा सीटें क्रमशः गोसाईगंज और मिल्कीपुर सीट भाजपा जीत नहीं सकी। इन्हें समाजवादी पार्टी ने छीन ली। जिस विधानसभा में राममंदिर का निर्माण हो रहा है, वहां भी भाजपा कड़े संघर्ष में जीती थी। अब 2024 के चौंकाने वाले परिणाम की हर कोई समीक्षा कर रहा है।

भाजपा की इस हार के कई कारण गिनाए जा रहे हैं। इस बात की वजह भी तलाशी जा रही है कि 2017 और 2019 में शानदार जीत के बाद ऐसा क्या हुआ कि 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को दो सीटें गंवानी पड़ीं।

बताया जाता है कि अति उत्साह के भंवर में फंसी भाजपा ने उस दौर की हार की उचित समीक्षा नहीं की। पार्टी के नीति नियंता दो साल पहले के परिणामों से भाजपा की सियासी जमीन दरकने के संकित समझ नहीं सके। राजनीति के जानकारों का कहना है कि दरकती जमीन के संकत भाजपा को लगातार मिल रहे थे, लेकिन हिंदुत्व के रथ पर सवार भाजपा ने स्थानीय मुद्दों और मसलों को दरकिनार किया। इसी का परिणाम अबकी सामने आया।

बीजेपी की इस हार के पीछे बीजेपी महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव कहते हैं कि जनता ने जो जनादेश दिया है, वह स्वीकार है। हमें इस तरह के परिणाम की उम्मीद नहीं थी। चुनाव को लेकर कड़ी तैयारी की गई थी। लोकसभा क्षेत्र के सभी बूथों पर कितने वोट पड़े हैं, इसकी सूची बनाई जा रही है। इसके बाद परिणाम की समीक्षा की जाएगी। बूथ मैनेजमेंट में कहां चूक रह गई इसकी समीक्षा की जाएगी।

यहां यह समझने की जरूरत है कि साल 2017 और 2019 में शानदार जीत के बाद साल 2022 और फिर 2024 में ऐसा क्या हुआ कि एक के बाद एक चुनाव में भाजपा को शिकस्त मिली। इसको लेकर यहां लोगों ने अपनी राय व्यक्त की है।

एक नतीजा यह निकल कर आया कि साल 2020 में जब यहां विकास कार्य शुरू हुए तो सड़कों के चौड़ीकरण के दौरान बड़ी संख्या में मकान और दुकानें टूटीं। बड़ी संख्या में लोगों का रोजगार छिना। व्यापारी वर्ग का आरोप है कि उन्हें मकानों और दुकानों के अधिग्रहण का उचित मुआवजा नहीं मिला। जो लोग अपनी जमीन से संबंधित कागज पेश नहीं कर सके, बड़ी संख्या में ऐसे लोगों को तो मुआवजा मिला ही नहीं।

चौड़ीकरण में व्यापारियों को उजाड़ना और उचित मुआवजा न देना भाजपा की हार का सबसे बड़ा कारण बना। अयोध्या के हाईप्रोफाइल बनने की वजह से यहां के आम लोगों की सुनवाई न तो भाजपा के नेताओं ने की और न ही यहां की अफसरशाही ने। धीरे धीरे करके लोगों का भाजपा से मोहभंग होता गया। स्थानीय रिपोर्ट के अनुसार, यहां की व्यापारी वर्ग बीजेपी से नाराज है। एक सराफा कारोबारी ने कहा कि व्यापारी बीजेपी की रीढ़ की हड्डी माने जाते हैं, लेकिन भाजपा इन्हें नहीं साथ सकी। उनकी खुद की दुकान रामपथ पर थी। वह दुकान उजड़ गई, उचित मुआवजा भी नहीं मिला। दुकान के बदले दुकान देने की बात की गई थी, वो वादा भी किया गया। अब अधिक रोड पर दुकान ली है। व्यापारी इससे नाराज हैं। सड़क चौड़ीकरण के नाम पर व्यापारियों के साथ अन्याय हुआ है। उनकी भी दुकान सड़क चौड़ीकरण में चली गई और मुआवजे के रूप में सिर्फ एक लाख रुपये मिले। यहां रोज-रोज की बंदिशों से भी व्यापारी परेशान है।

फैजाबाद सीट से नवनिर्वाचित सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि वो राम तो नहीं हो सकते, लेकिन उनकी मर्यादाओं को कायम जरूर करेंगे। उन्होंने जीत हासिल करने के दूसरे ही दिन प्रेस वार्ता करके दावा किया कि तीन माह के भीतर जिले में भूमि अधिग्रहण की जद में आए व्यापारियों और किसानों को बाजार दर पर मुआवजा दिलाएंगे। उन्होंने 48 घंटे के भीतर इंडिया गठबंधन की सरकार बनने का भी दावा किया है। बुधवार को सहादतगंज स्थित आवास पर कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने विकास के नाम पर अयोध्या की जनता को ठगने और छलने का काम किया है। 10 किलोमीटर की परिधि में बसे कुशमाहा, परसपुर, किशुनदास, माझा आदि गांवों में तमाम योजनाओं के नाम पर विभिन्न पाबंदियां लगाई हैं। उन्होंने कहा कि जमीन अधिग्रहण के नाम पर हो रहे इस गोरखधंधे को तीन माह के भीतर खत्म किया जाएगा। जिन लोगों की जमीनें कौड़ी के दाम ली गई हैं, उन्हें उचित मुआवजा दिलाया जाएगा। सरकार बनाने के लिए इस देश की जनता ने बदलाव की आंधी चलाई है, जिसका नतीजा अयोध्या जैसी सीट है।

सपा सांसद ने कहा कि राष्ट्रपति प्राण प्रतिष्ठा में नहीं आई, लेकिन चुनाव के दौरान दर्शन करने आई। ऐसा कहीं देखने को नहीं मिला। 84 बार मुख्यमंत्री, तीन बार प्रधानमंत्री, कई बार राज्यपाल आए और देश के कोने- कोने से लोगों को यहां लाने का सिर्फ चुनावी मकसद था। जिले की जनता ने जो उम्मीद की है, उस पर खरा उतरेंगे। उन्होंने अपनी जीत कहा कि अवधेश प्रसाद राम तो नहीं हो सकते, लेकिन राम की मयार्दाओं को एक सेवक के रूप में कायम करेंगे।

2019 के चुनाव की तुलना में इस बार फैजाबाद लोकसभा सीट पर भाजपा का जनाधार पांच फीसदी घट गया है। जबकि 2019 में 2014 के मुकाबले भाजपा के मत प्रतिशत में 20 फीसदी बढ़ोतरी हुई थी। प्रतिष्ठित फैजाबाद सीट पर भाजपा की हार ने कई सवाल खड़े किए गए हैं। राममंदिर निर्माण के चलते फैजाबाद की सीट पर सबकी निगाहें टिकी थीं। उम्मीद थी कि राममंदिर निर्माण का फायदा भाजपा को जरूर मिलेगा। फिर 30 दिसंबर 2023 से लेकर चुनाव के पहले तक पीएम मोदी अयोध्या तीन वार आए, जबकि मुख्यमंत्री योगी लगभग हर माह अयोध्या का दौरा करते रहते हैं। जिले में भाजपा के तीन विधायक हैं, लेकिन वे भी कोई करिश्मा नहीं कर सके। राममंदिर का प्रभाव पड़ा न ही मोदी-योगी का जादू चला। अति प्रतिष्ठित सीट पर भाजपा को हार का सामना करना पड़ा। भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह पहली बार 2014 में चुनाव जीतकर संसद पहुंचे थे। मोदी लहर में उन्होंने सपा प्रत्याशी मित्रसेन यादव को हराया था। उन्हें कुल 28 28 प्रतिशत प्राप्त हुए थे। सपा को मात्र 12 फीसदी वोट मिले। 2019 में एक बार फिर लल्लू सिंह ने जीत दर्ज की। उन्होंने सपा के प्रत्याशी आनंद सेन को दोबारा हराया। इस बार भाजपा के जनाधार में 20 फीसदी की वृद्धि हुई। लल्लू सिंह को 48.65 प्रतिशत प्राप्त हुए थे। 2024 के चुनाव में भी भाजपा को नुकसान हुआ है। भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह को 43.83 प्रतिशत मत प्राप्त हुए हैं, यह मत प्रतिशत 2019 की तुलना में पांच फीसदी कम है। भितरघात और शहर में कम मतदान ने बीजेपी को लोकसभा चुनाव में जीत को रोकने में बड़ी भूमिका निभाई। इस बार अयोध्या विधानसभा क्षेत्र उन्हें बड़ी लीड नहीं दे सका। ऐसे में बाकी के चार विधानसभा क्षेत्रों में हुई पराजय की भरपाई नहीं हो सकी और तीसरी बार फैजाबाद सीट पर जीत का सपना टूट गया।भाजपा के अयोध्या जिले में तीन विधायक हैं। इसमें बीकापुर, रुदौली और अयोध्या विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। मिल्कीपुर सीट पर सपा के अवधेश प्रसाद ने कब्जा जमा लिया था।

The Protagonist

For the longest of my time, I've wondered what it would take...

For me to become the main character, And stop being the mistake...

But that's the thing with heroes, They're carved out of stories...

Blood has to be spilled, For them to write their glories...

It takes more loss than love, To make a person into a God...

You have to lose a home-land, Before you can build an abode...

And such confusion it causes, The need for tragedy...

Am I worthy of being the hero, If I still have my sanity?

The question floats in the air, "Have I managed to lose enough?"

Or am I destined to lose more?

The diamond in the rough...

Would it have been better, If my unconsciousness came from a war?

And instead of the ever growing an&iety, A "dementor" tore me apart...

If all that trauma, Could have shaped me into an icon...

If I had a good enough reason, For this soul to die for...

And would camp half-blood, Have been the home I still don't have?

If I had a tragic enough life, Would my name become the map?

Because it takes fire & tears, For a hero to be born...

And have I burnt enough, For my head to be adorned...

There's blood on my hands, Tears on my cheeks...

Am I finally strong enough, To not be called weak?

Have I bled enough for you?

Oh my reader, be my catalyst...

Put some respect to me name, And make me the protagonist...

Shreya Chugh

नेता प्रतिपक्ष को लेकर कानूनी पेंचीदगियां

नेता प्रतिपक्ष के लिए कितनी सीटों की जरूरत है यह सवाल बेहद अहम रहा है? इस बार कांग्रेस को करीब 100 सीटें मिली है। इस बार नेता प्रतिपक्ष का पद लोकसभा में कांग्रेस के संसदीय दल के नेता को मिलेगा। पिछले दो लोकसभा में कांग्रेस 55 सीटों से पीछे रह गई थी और इस कारण उन्हें नेता प्रतिपक्ष का दर्जा नहीं मिल पाया था। नेता प्रतिपक्ष के लिए कुल सीटों की संख्या का 10 फीसदी नंबर का नियम कहां से आया और इसको लेकर कानूनी पेंचीदगियां क्या है इस पर भी बहस है। नेता प्रतिपक्ष को लेकर कानूनी जानकार और लोकसभा में पूर्व सेक्रेटरी जनरल पीडीटी अचारी की राय अलग है। उनका कहना है कि सरकार के विरोधी दलों में सबसे बड़ी पार्टी के नेता को विरोधी दल के नेता का दर्जा मिलता है। इस बारे में हालांकि यह बात चलन में है कि नेता प्रतिपक्ष बनने के लिए सबसे बड़े विरोधी दल को कम से कम कुल सीटों का 10 फीसदी यानी 55 सीटें चाहिए। लेकिन लोकसभा के पूर्व सेक्रेटरी जनरल अचारी इसकी अनिवार्यता नहीं मानते है। उनके मुताबिक संसदीय एक्ट 1977 में नेता प्रतिपक्ष के वेतन भत्ते आदि को परिभाषित किया गया है। एक्ट की धारा-2 में नेता प्रतिपक्ष को परिभाषित किया गया है। इसके तहत कहा गया है कि नेता प्रतिपक्ष विरोधी दल का नेता होता है और लोकसभा में जिस विपक्षी दल की संख्या सबसे ज्यादा होती है उसके नेता को नेता प्रतिपक्ष के तौर पर लोकसभा के स्पीकर मान्यता देते हैं। इस एक्ट में कहीं नहीं लिखा हुआ है कि नेता प्रतिपक्ष के लिए कुल सीटों की संख्या का 10 फीसदी यानी 55 सीटें होनी चाहिए। दरअसल नेता प्रतिपक्ष के मामले में यह चलन हो गया है कि कुल सीटों की संख्या का 10 फीसदी होना चाहिए। अचारी बताते हैं कि पहले आम चुनाव के बाद स्पीकर ने गाइडलाइंस बनाई थी और कहा था कि नेता प्रतिपक्ष के लिए 10 फीसदी संख्या होना चाहिए और यह कोरम के बराबर मान लिया गया था। कोरम के लिए भी 10 फीसदी नंबर होना चाहिए। 1977 के एक्ट के बाद जो परिभाषा तय हुई उसमें इसकी अनिवार्यता नहीं रही लेकिन फिर भी यह चलन में है और 10 फीसदी सीटें नहीं मिलने के कारण पिछले दो लोकसभा कार्यकाल में कांग्रेस को लोकसभा में उनके नेता को नेता प्रतिपक्ष का दर्जा नहीं मिल पाया था। नेता प्रतिपक्ष का मामला बेहद पुराना है। 1952 में पहले आम चुनाव के बाद लोकसभा का गठन हुआ और तब 10 फीसदी सीटें मिलने के बाद नेता प्रतिपक्ष का दर्जा दिए जाने का नियम आया था। इसके लिए तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष जी वी मावलंकर ने ऑर्डर नंबर 120-123 के तहत नियम तय किया था कि नेता प्रतिपक्ष के लिए 10 फीसदी सीटें चाहए। लेकिन इसके बाद 1977 में जब कानून बनाया गया तब उक्त निर्देश की अहमियत नहीं रह गई।

उच्च शिक्षा में वाजिब ऊंचाई का इंतजार

दुनियाभर के उच्च शिक्षण संस्थानों की रैंकिंग बताने वाली कुकक्रेरेली साइमंड्स (क्यूएस) संस्था ने साल 2025 की अपनी रैंकिंग जारी की है, जिससे भारतीय विश्वविद्यालयों की संवर रही तस्वीर की कुछ झलक दिखती है। पूर्व की तरह इस वर्ष भी रैंकिंग में शीर्ष पर मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) काबिज है, जबकि चार अन्य स्थान क्रमशः इम्पीरियल कॉलेज, ऑक्सफोर्ड, हार्वर्ड और कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के नाम हैं। मगर भारतीय शिक्षण संस्थानों ने भी अपनी रैंकिंग ठीक-ठाक सुधारी है। जैसे, आईआईटी, बॉम्बे को इस बार 118वां स्थान मिला है, जबकि पिछली रैंकिंग में वह 149वें पायदान पर थी। आईआईटी, दिल्ली भी पिछली बार के 197वें स्थान से 150वें पायदान पर पहुंच गई है। इस वर्ष रैंकिंग में शामिल हमारे शीर्ष दस संस्थानों में सबसे अधिक आईआईटी (सात) हैं, जबकि शेष तीन संस्थानों में आईआईएस (211वीं रैंकिंग), दिल्ली यूनिवर्सिटी (328) और अन्नामलाई यूनिवर्सिटी (323) शामिल हैं।

सवाल है कि क्यूएस ही नहीं, अन्य दो प्रतिष्ठित रैंकिंग- एसजेटीयू व टाइम्स हायर एजुकेशन रैंकिंग में सिर्फ आईआईटी, डीयू-जेएनयू-जामिया मिल्लिया-बीएचयू जैसे केंद्रीय विश्वविद्यालय और कुछ निजी विश्वविद्यालय ही क्यों शुमार होते हैं? बाकी शिक्षण संस्थान मानकों पर क्यों खरे नहीं उतर पाते? इसकी एक वजह तो इन रैंकिंग की रूपरेखा है, जो काफी हद तक पश्चिमी विश्वविद्यालयों के अनुकूल होती है। इनमें कैंपस में विविधता, छात्रों को मिलने वाले रोजगार के अवसर, शोध-कार्य, बुनियादी ढांचा, ब्रांड-वैल्यू आदि तमाम कसौटियों पर संस्थानों को परखा जाता है। ऐसे में, उन भारतीय संस्थानों को इसमें परोक्ष लाभ मिलता है, जो आजादी के पहले या स्वतंत्रता के तुरंत बाद खोले गए, क्योंकि उनको लगातार धनराशि मिलती रहती है। वे इसका जो हिस्सा खर्च नहीं कर पाते, वह धन ह्यसरप्लसह्ल के रूप में उनके पास जमा रह जाता है और इन पर मिलने वाला ब्याज आदि उनके लिए ह्यअक्षय निधिह्ल बन जाता है। चूंकि ये पुराने संस्थान हैं, इसलिए इनका यह फंड भी करोड़ों रुपये में हो गया है, जिसका इस्तेमाल ये अपने हित में करते रहते हैं। यह सुविधा अन्य संस्थानों को हासिल नहीं है।

बेशक, तमाम संस्थानों में ट्यूशन फीस ली जाती है, पर यह उनकी कुल आमदनी का बमुश्किल 10 से 20 फीसदी हिस्सा होती है। आमदनी के अन्य स्रोतों का अधिकतम इस्तेमाल शिक्षकों-कर्मचारियों के वेतन-पेंशन आदि में किया जाता है। फिर, उच्च शिक्षा वित्तीयन एजेंसी (हेफा) से जो ब्याज रहित या नाममात्र ब्याज पर कर्ज मिलता है, वह अमूमन केंद्रीय विश्वविद्यालयों या अच्छे संस्थानों के ही खाते में जाता है। इससे स्वाभाविक ही राज्य-स्तरीय विश्वविद्यालयों की स्थिति दयनीय हो जाती है। फिर, राज्यों की आमदनी अलग-अलग है और उनका प्रबंधन भी। आलम यह है कि अब भी हमारे देश में कुल जीडीपी का बमुश्किल तीन फीसदी हिस्सा ही शिक्षा पर खर्च किया जाता है, जबकि 1968 की पहली शिक्षा नीति में इसे छह प्रतिशत करने की वकालत की गई थी। जब राज्य सरकारों के पास पैसे होंगे ही नहीं, तो वे छह फीसदी कैसे खर्च करेंगी?

यहां यह नहीं समझा जाना चाहिए कि उच्च शिक्षा में महंगी फीस की वकालत की जा रही है। कम फीस के कारण ही देश में कई ऐसे छात्र उच्च शिक्षा हासिल कर पाते हैं, जिनकी आर्थिक हैसियत निजी विश्वविद्यालयों में पढ़ने की नहीं होती। मगर सच यह भी है कि राज्य के शिक्षण संस्थानों में शोध-कार्यों के लिए पर्याप्त साधन नहीं हैं, पुस्तकालयों में प्रचुर मात्रा में किताबें नहीं हैं और प्रयोगशालाओं में उचित उपकरण नहीं हैं। इस सूरतेहाल में गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई होगी कैसे?

इसका एक उपाय यह हो सकता है कि जो छात्र विपन्न हों, उनसे पूर्ववत फीस ली जाए, पर जो महंगी फीस का भार उठाने में सक्षम हैं, उनसे कुछ अधिक फीस वसूली जाए। हमें यह भी समझना होगा कि अच्छी उच्च शिक्षा के लाभार्थी सिर्फ विद्यार्थी नहीं होते, बल्कि वे संस्थाएं भी होती हैं, जो बच्चों की शिक्षा या कौशल का इस्तेमाल करती हैं। इन कंपनियों से शिक्षण संस्थानों में निवेश करवाया जा सकता है। अगर कंपनियां सीधे निवेश नहीं कर सकतीं, तो कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) में यह प्रावधान बनाया जा सकता है कि अगर वे अपने सीएसआर मद का तय हिस्सा किसी शिक्षण संस्थान में खर्च करेंगी, तो उनको इन्सेंटिव या टैक्स में छूट मिलेगी।

जाने-माने कारोबारी नौशाद फोर्ब्स ने अपनी किताब द स्ट्रगल ऐंड द प्रॉमिस में लिखा है कि हम शोध-अनुसंधान पर जितना खर्च करते हैं, उसका 80 से 90 फीसदी हिस्सा देश के 47 सरकारी प्रयोगशालाओं को चला जाता है। हम इस पैसे को सालाना पांच फीसदी की दर से यदि कम करते जाएं और ये पैसे सरकारी शिक्षण संस्थानों को मुहैया कराएं, तो वहां शिक्षा और शोध-कार्य, दोनों सुधर जाएंगे, उनकी रैंकिंग में बेहतर हो जाएगी। इसी तरह, एक सुझाव यह भी हो सकता है कि जो संस्थान अपनी वैश्विक रैंकिंग सुधारते हैं, उनको इन्सेंटिव दिए जाएं। इस इन्सेंटिव का इस्तेमाल शिक्षकों-कर्मचारियों की बेहतरी पर किया जा सकता है, क्योंकि राज्यस्तरीय विश्वविद्यालयों के करीब 99 फीसदी अध्यापकों के पास आज भी लैपटॉप जैसे आधुनिक उपकरण नहीं हैं। अगर हम अमेरिका, ब्रिटेन जैसे देशों से मुकाबला करना चाहते हैं, तो हमें अपने शिक्षकों-कर्मचारियों की गुणवत्ता सुधारनी ही होगी।

यहां हम चाहें, तो चीन से भी सबक ले सकते हैं। उसने पिछले कुछ दशकों में अपने उन नागरिकों को वापस बुलाया है, जो पढ़ने के लिए विदेश गए और वहीं के होकर रह गए। अध्यापन कर्म में लगे ऐसे चीनी नागरिकों को स्वदेश में वे तमाम सुविधाएं दी गईं, जो उन्हें विदेश में मिल रही थीं। इसका फायदा चीन की शिक्षा-व्यवस्था में दिखा है। हमारे देश में भी आईआईटी, आईआईएम या कुछ केंद्रीय व निजी विश्वविद्यालयों के छात्र उच्च शिक्षा हासिल करने विदेश जाते हैं और वहीं कॉलेजों में अपना भविष्य देखते हैं। उनको स्वदेश बुलाना चाहिए और उनकी प्रतिभा का सही इस्तेमाल करना चाहिए। हालांकि, मुश्किल यह भी है कि देश के कई संस्थानों में भाई-भतीजावाद इस कदर हावी है कि वहां कुलपति तक की नियुक्ति शायद ही प्रतिभा के आधार पर होती है। हमें ऐसे संस्थानों को भी चिह्नित करके वहां पारदर्शी व्यवस्था बनानी होगी, तभी वे अन्य वैश्विक संस्थानों के साथ कदमताल कर सकेंगे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

रामोजी राव के निधन पर सितारों ने जताया शोक, एसएस राजामौली और एमएम कीरावणी ने दी श्रद्धांजलि

मीडिया दिग्गज और ईनाडु और रामोजी फिल्म सिटी के संस्थापक रामोजी राव का 8 जून को हैदराबाद में निधन हो गया। फिल्म निर्देशक एस.एस. राजामौली, संगीतकार एम.एम. कीरावनी और अन्य लोगों ने फिल्म सिटी में ईनाडु और रामोजी फिल्म सिटी के संस्थापक रामोजी राव को अंतिम सम्मान दिया।

तृप्ति डिमरी ने मुंबई में खरीदा अपने सपनों का घर रणबीर कपूर की पड़ोसी बनीं एनिमल की भाभी 2

संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी एनिमल में तृप्ति डिमरी ने रणबीर कपूर के साथ महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिसके बाद उनकी लोकप्रियता में बड़ा उछाल आया। वे रातोंरात लोकप्रियता के आसमान पर पहुंच गईं, जिसके बाद उन्हें नेशनल क्रश का भी टैग मिला। एनिमल के बाद अब तृप्ति के हाथ में कई शानदार परियोजनाएं हैं। इन दिनों अभिनेत्री अपनी सफलता का जश्न मना रही हैं और अब उन्होंने मुंबई में अपना सपनों का घर खरीद लिया है।

इतने करोड़ रुपये में हुआ सौदा रिपोर्ट्स के अनुसार, तृप्ति ने मुंबई के बांद्रा पश्चिम इलाके में कार्टर रोड पर एक ग्राउंड प्लस दो मंजिला बंगला खरीदा है। सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि इस आलीशान संपत्ति की कीमत

14 करोड़ रुपये है। दस्तावेजों के अनुसार, इस सौदे पर 70 लाख रुपये की स्टांप ड्यूटी चुकाई गई है। बंगले के कुल क्षेत्रफल में 2,226 वर्ग फीट का भूमि क्षेत्र और 2,194 वर्ग फीट का निर्मित क्षेत्र शामिल है, जिसके लिए 3 जून, 2024 को लेनदेन किया गया था।

कई सितारों का बांद्रा में घर अब तृप्ति भी मुंबई के बांद्रा उपनगर में अपने लिए एक आलीशान घर खरीद चुकी हैं। उपनगर में कई बॉलीवुड हस्तियों का घर है। तृप्ति का घर कार्टर रोड के पास स्थित है, जो एक पॉश इलाका है, जहां शाहरुख खान, सलमान खान , रेखा जैसे बॉलीवुड सितारे रहते हैं। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट भी इसी इलाके में रहते हैं। ऐसे में अब अभिनेत्री अपने सह-कलाकार रणबीर कपूर की एक तरह से पड़ोसी भी बन चुकी हैं। अब प्रशंसक उन्हें सोशल मीडिया पर बधाई दे रहे हैं।

तृप्ति की आने वाली फिल्में वहीं बात करें अभिनेत्री की आने वाली फिल्मों के बारे में तो वे जल्द ही राजकुमार राव के साथ विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में नजर आएंगी। इसके साथ ही वे फिलहाल कार्तिक आर्यन और विद्या बालन के साथ भूल भुलैया 3 की शूटिंग कर रही हैं। इसके अलावा उनके पास विक्की कौशल और एमी विर्क के साथ करण जौहर की बैड न्यूज और सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ धड़क 2 भी है।

पवन कल्याण की जीत पर कमल हासन ने दी बधाई, कहा- आप पर गर्व है

पावरस्टार पवन कल्याण इस वक्त चर्चा का विषय बने हुए हैं। हाल में ही सामने आए लोकसभा चुनाव के परिणाम में उनकी जनसेना पार्टी ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। उनकी पार्टी ने आंध्र प्रदेश चुनाव में शानदार जीत हासिल की है। पवन 70,354 वोटों की शानदार बहुमत के साथ पिथापुरम निर्वाचन क्षेत्र से विधायक बने हैं। उनकी पार्टी केंद्र में एनडीए को सत्ता में लाने में भी अहम भूमिका निभा रही है। अभिनेता की इस विशेष उपलब्धि पर उन्हें लगातार बधाइयां मिल रही हैं।

कमल हासन ने दी बधाई पॉवर स्टार के इस उपलब्धि पर अभिनेता कमल हासन ने भी उन्हें बधाई दी है। इंडियन 2 अभिनेता ने इस बारे में ट्वीट कर जानकारी दी है। उन्होंने लिखा, पवन कल्याण से एक भावनात्मक बातचीत हुई और इस शानदार जीत पर उन्हें बधाई दी है। आंध्र प्रदेश के लोगों की उम्मीदों और आकांक्षाओं की सेवा करने की उनकी इस यात्रा पर मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। आप पर गर्व है।

पिछले चुनाव में हार के बाद बने गेम चेंजर कमल हासन का यह ट्वीट काफी तेजी से वायरल हो रहा है। दोनों अभिनेताओं के फैंस इस पर काफी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। फैंस को दोनों अभिनेताओं के बीच का यह लगाव काफी पसंद आ रहा है। पवन इस शानदार जीत से ना सिर्फ फिल्मी हस्तियां को बल्कि अब कई राजनेताओं को भी प्रेरित कर रहे हैं। बता दें कि 2019 के चुनाव में पवन कल्याण की पार्टी को दो निर्वाचन क्षेत्रों में हार मिली थी। पिछले चुनाव में हारने से लेकर 2024 के आम चुनावों में गेम चेंजर बनने तक, पवन की राजनीतिक यात्रा काफी प्रेरणादायी है।

इस साल रिलीज होंगी पवन कल्याण की चार फिल्में बात करें दोनों अभिनेताओं के वर्क फ्रंट की तो पवन कल्याण की चार आगामी फिल्में इस साल रिलीज होने वाली हैं। वह फिल्म ओजी- ओरिजिनल गैंगस्टर में नजर आने वाले हैं। यह एक एक्शन ड्रामा होगी, जो 27 सितंबर 2024 को रिलीज होगी। इसके अलावा अभिनेता की एक और फिल्म इस साल रिलीज होने वाली है, जिसका अस्थायी शीर्षक पीएसपीके 29 है। वह एक बार फिर तेलुगु पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म हरी हरा वीरा मल्लू में नजर आएंगे, जो इस साल सितंबर में रिलीज होगी। इसके बाद उनकी एक और एक्शन ड्रामा उस्ताद भगत सिंह 14 अगस्त को रिलीज होगी। वहीं, सुपरस्टार कमल हासन अपनी फिल्म इंडियन 2 में नजर आएंगे, जो 12 जुलाई को रिलीज होगी।

गोविंदा ने लॉन्च किया खुद का ओटीटी एप, आ गया हीरो का ऐसे उठाएं फिल्मी लट्टू पर लुत्फ

गोविंदा अपनी दमदार अदाकारी, शानदार डांस और जबर्दस्त कॉमिक टाइमिंग के लिए मशहूर हैं। 90 के दशक में उन्होंने कई सुपरहिट फिल्मों से लोगों के दिलों में खास जगह बनाई है। बड़े पर्दे पर नाम कमाने के बाद अब उन्होंने डिजिटल क्षेत्र में अपने कदम रख दिए हैं। हाल ही में अभिनेता ने खुद का ओटीटी एप फिल्मी लट्टू लॉन्च किया है। गोविंदा का यह फैसला उनकी उद्यमशीलता के साथ फैंस के साथ उनके जुड़ने के आकर्षक तरीके को भी दर्शाता है। जानकारी के अनुसार इस ओटीटी प्लेटफॉर्म से दर्शकों की विविध मनोरंजन आवश्यकताओं को पूरा करने की कोशिश की जाएगी। फिल्मी लट्टू में लोगों को फिल्मों से लेकर वेब सीरीज, एक्सक्लूसिव इंटरव्यू, पर्दे के पीछे की फुटेज और बहुत कुछ देखने को मिलेगा। इस ओटीटी लॉन्च के साथ

गोविंदा की साल 2017 में आई फिल्म आ गया हीरो की स्ट्रीमिंग भी शुरू कर दी गई है। इस फिल्म में अभिनेता ने लंबे समय बाद पर्दे पर वापसी की थी। इस एप पर गोविंदा की क्लासिक फिल्मों के साथ नई और आकर्षक कहानी भी लोगों को देखने को मिलेंगी। गूगल प्ले और एपल स्टोर पर यह एप उपलब्ध है, जिसे डाउनलोड कर दर्शक 149 रुपये की मासिक फीस पर मनोरंजन का लुत्फ उठा सकेंगे। वर्क फ्रंट की बात करें तो गोविंदा बड़े पर्दे से लंबे समय से दूर हैं। साल 2019 में वह रंगीला राजा नाम की फिल्म में नजर आए थे। फिल्म में उनका डबल रोल था, लेकिन दर्शकों को यह फिल्म कुछ खास पसंद नहीं आई थी। इसके अलावा वह टीवी पर कई रियलिटी शोज में बतौर जज भी नजर आ चुके हैं।

शुक्रवार को भी नहीं दिखी बॉक्स ऑफिस पर रौनक टिकट खिड़की पर ऐसा रहा फिल्मों का प्रदर्शन

बीते कुछ महीनों से बॉक्स ऑफिस की रौनक कहीं खो सी गई है। फाइटर, आर्टिकल 370 और शैतान के बाद कोई भी हिंदी फिल्म टिकट खिड़की पर उम्मीद के मुताबिक कमाई नहीं कर सकी है। हाल ही में हॉरर कॉमेडी फिल्म मुंजा ने सिनेमाघरों में दस्तक दी है। वहीं, कई अन्य फिल्में भी इन दिनों थिएटर में प्रदर्शित हो रही हैं। आइए जानते हैं कि शुक्रवार को टिकट खिड़की पर किस फिल्म का कैसा प्रदर्शन रहा है।

मुंजा अभिनेता अभय वर्मा और शरवरी वाघ अभिनीत मुंजा की चर्चा पिछले कुछ समय से काफी ज्यादा हो रही थी। फिल्म का ट्रेलर सामने आने के बाद लोगों में इस फिल्म को लेकर उत्सुकता काफी ज्यादा बढ़ गई थी। हालांकि, टिकट खिड़की पर फिल्म की शुरुआत धीमी रही है। आदित्य सरपोतदार के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने पहले दिन तीन करोड़ 75 लाख रुपये का कलेक्शन किया है।

बैड बॉयज- राइड ऑर डाई विल स्मिथ और मार्टिन लॉरेन्स अभिनीत फिल्म बैड बॉयज राइट ऑर डाई भारत में रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म में दोनों ही कलाकारों ने कमाल की अदाकारी दिखाई है। हालांकि, भारतीय बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की रफ्तार काफी सुस्त नजर आ रही है। गुरुवार को इस फिल्म ने 32 लाख रुपये का कलेक्शन किया था। वहीं, शुक्रवार को फिल्म ने 44 लाख रुपये बटोरे हैं। फिल्म का कुल कलेक्शन अब 76 लाख रुपये हो गया है।

मिस्टर एंड मिसेज माही मिस्टर एंड मिसेज माही सिनेमाघरों में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी है। फिल्म में राजकुमार राव और जान्हवी कपूर ने अहम भूमिका निभाई है। पहले हफ्ते में इस फिल्म ने 24.45 लाख रुपये का कलेक्शन किया था। वहीं, आठवें दिन फिल्म ने एक करोड़ 22 लाख रुपये कमाए हैं। शुक्रवार की कमाई को मिलाकर फिल्म का कुल बिजनेस 25.67 करोड़ रुपये हो गया है।

श्रीकांत राजकुमार राव की एक और फिल्म इन दिनों सिनेमाघरों में प्रदर्शित हो रही है। फिल्म में श्रीकांत में उन्होंने दृष्टिहीन उद्योगपति का किरदार निभाया है। यह फिल्म टिकट खिड़की पर धीमी रफ्तार से आगे बढ़ रही है। 29वें दिन फिल्म ने 20 लाख रुपये का कलेक्शन किया। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 45.95 करोड़ रुपये हो गई है।

अगले दो साल तक व्यस्त हैं पंचायत के बनकारस लेकिन काम को लेकर अभी भी है एक मलाल

टीवीएफ की हिट वेब सीरीज पंचायत का तीसरा सीजन रिलीज हो चुका है। पिछले दोनों सीजन की तरह ही लोग नए सीजन को भी खूब पसंद कर रहे हैं। नए सीजन में कुछ नए किरदार भी देखने को मिले हैं, लेकिन एक पुराने किरदार ने इस बार भी धमाल मचा दिया है। हम बात कर रहे हैं बनकारस के किरदार की, जिसे दुर्गेश कुमार ने निभाया है। अपनी अदाकारी से पहचान बनाने वाले दुर्गेश के लिए अभी भी बड़े काम की तलाश खत्म नहीं हुई है।

कमर्शियल फिल्मों में करना चाहते हैं काम

इंडियन एक्सप्रेस को दिए एक ताजा साक्षात्कार में दुर्गेश कुमार ने अपने करियर को लेकर बात की। दुर्गेश ने कहा कि अभी भी उनके पास किसी अछे किरदार का ऑफर नहीं आ रहा है। उनसे अछी भूमिका के लिए संपर्क नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि उन्हें काम नहीं मिल रहा है। काम का ऑफर मिल तो रहा है, लेकिन स्वतंत्र फिल्मों का। दुर्गेश बड़ी कमर्शियल फिल्मों में काम करना चाहते हैं, जिसका मौका नहीं मिल रहा है।

इन फिल्मों में आएंगे नजर

दुर्गेश ने बताया कि उनके पास इतना काम है कि वो अगले दो साल तक के लिए व्यस्त हैं। वो आने वाले दिनों में सैफ अली खान, शत्रुघ्न सिन्हा, मुकेश तिवारी और आशुतोष राणा समेत कई कलाकारों के साथ काम करते हुए नजर आएंगे। दुर्गेश जुनैद खान की फिल्म महाराज में भी काम कर रहे हैं। इस फिल्म में वो कॉमेडी करते दिखाई देंगे। हालांकि, इसमें भी उनके एक या दो सीन ही देखने को मिलेंगे। उनकी झोली में गैंग्स ऑफ गाजियाबाद भी है। बता दें कि दुर्गेश कुमार पंचायत सीरीज के अलावा लापता लेडीज और भक्षक फिल्म में भी नजर आ चुके हैं। हालांकि, दोनों ही फिल्मों में उनका छोटा-सा रोल था।

फिर से रिलीज हुई इंडियन, कमल हासन के फैंस ने मचाया हल्ला, थिएटर में की जमकर आतिशबाजी

कमल हासन की फिल्म इंडियन 2 रिलीज होने के लिए पूरी तरह से तैयार है। उनके फैंस लंबे समय से इसे देखने का इंतजार कर रहे हैं। फिल्म 12 जुलाई, 2024 को रिलीज होगी, लेकिन इससे पहले दर्शकों के पास इसके पहले भाग को देखने का सुनहरा मौका है। दरअसल, चेन्नई में इंडियन को फिर से रिलीज किया गया है, जहां कमल के फैंस फिल्म का जमकर मजा ले रहे हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो चेन्नई के कमला सिनेमा में कमल हासन के प्रशंसकों की भारी भीड़ देखी गई। दर्शकों का एक समूह तो %इंडियन इज बैक के प्रिंट वाली टी-शर्ट पहनकर आया था। थिएटर में खूब हो-हल्ला देखने को मिला। इतना ही नहीं, कुछ लोगों ने तो सिनेमाघर के अंदर ही आतिशबाजी शुरू कर दी।

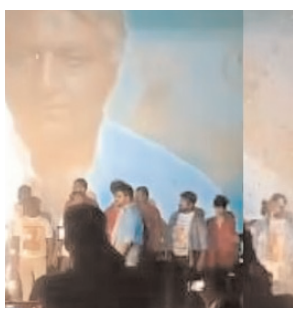

इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल भी हो रहा है।

परदे के सामने ही करने लगे आतिशबाजी वायरल वीडियो में थिएटर में मौजूद दर्शकों को चिल्लाते हुए देखा जा सकता है। परदे के सामने आतिशबाजी की जा रही है और लोग वीडियो बना रहे हैं। फिलहाल इस बात की कोई जानकारी सामने नहीं आई है कि इस आतिशबाजी से कोई नुकसान हुआ या नहीं। मालूम हो कि इंडियन साल 1996 में रिलीज हुई थी। इसमें कमल हासन के साथ-साथ मनीषा कोइराला और उर्मिला मातोंडकर ने भी अभिनय किया था।

इंडियन 2 में ये कलाकार आएंगे नजर इंडियन 2 का निर्देशन शंकर ने किया है। फिल्म में कमल हासन के साथ-साथ रकुल प्रीत सिंह, बॉबी सिम्हा, प्रिया भवानी शंकर, समुथिरकानी और सिद्धार्थ ने भी काम किया है। पहले यह फिल्म जून में रिलीज होने वाली थी, लेकिन बाद में तारीख को पीछे खिसका दिया गया। पहले खबर थी कि काजल अग्रवाल भी इस फिल्म का हिस्सा होंगी, लेकिन एक ऑडियो लॉन्च कार्यक्रम में निर्देशक ने सभी को चौंकाते हुए बताया कि काजल इंडियन 2 के बजाय इंडियन 3 में दिखाई देंगी।

थप्पड़ कांड के बाद कंगना रणौत के समर्थन में आए अध्ययन सुमन, जानें अभिनेता ने क्या कहा?

कंगना रणौत इन दिनों लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। हाल ही में चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर उन्हें सीआईएसफ की महिला सिपाही ने थप्पड़ मार दिया था। इस घटना की अब तक कई सितारे निंदा कर चुके हैं। अब इस सूची में अभिनेत्री के पूर्व प्रेमी अध्ययन सुमन का नाम जुड़ गया है। हाल ही में एक बातचीत में अध्ययन ने इस मामले में अपनी प्रतिक्रिया दी।

एक कार्यक्रम में शामिल हुए शेखर सुमन और अध्ययन सुमन से जब इस घटना पर सवाल किया गया तो शेखर ने कहा कि चाहे यह किसी के भी साथ हुआ हो, यह पूरी तरह से गलत है। उन्होने कहा कि वह अब मंडी से सांसद हैं। अगर किसी को विरोध करना है तो सभ्य तरीके का इस्तमोल किया जाना चाहिए। इस तरह की हरकत अस्वीकार्य है।

वहीं जब अध्ययन से इस बारे में पूछा गया तो वह अपने पिता से बिल्कुल सहमत नजर आए।

उन्होंने कहा कि भले ही व्यक्तिगत रूप से किसी को किसी से कितनी भी दिक्कत हो, लेकिन सावर्जनिक रूप से इसे लाना ठीक नहीं है। ऐसा नहीं होना चाहिए। राष्ट्रीय महिला आयोग की प्रमुख रेखा शर्मा ने थप्पड़ कांड पर प्रतिक्रिया देते हुए इस मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की थी। जानकारी के मुताबिक आरोपी सिपाही के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसे निलंबित कर दिया गया है। साथ ही, एफआईआर भी दर्ज कर दी गई है।

अध्ययन सुमन हाल ही में संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी में नजर आए थे। इस वेब सीरीज में उनके किरदार की जमकर तारीफ हो रही है। शो को देश के साथ विदेश में भी खूब देखा जा रहा है। इसमें उनके पिता शेखर सुमन ने भी अहम भूमिका निभाई है। वहीं, कंगना की बात करें तो वह जल्द ही इमरजेंसी नाम की फिल्म में नजर आने वाली हैं। इसका निर्देशन भी उन्होंने खुद ही किया है। फिल्म में अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, मिलिंद सोमन जैसे कलाकारों ने काम किया है। हाल ही में लोकसभा चुनाव की वजह से फिल्म की रिलीज डेट टाल दी गई थी।

नगर निगम के सब इंजीनियर राजेश गुप्ता को 11,000 रिश्वत लेते रीवा लोकायुक्त ने दबोचा

22000 रुपये शिकायतकर्ता दे चुका है... इमाम खान की शिकायत पर कार्रवाई की गई है

सिटी चीफ । उमेश कुशवाहा ।
सतना, नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत प्रीकास्ट के जरिए नाली की ढलाई के काम का मूल्यांकन करने की एवज में उप यंत्री राजेश गुप्ता को लोकायुक्त पुलिस ने 11,000 की रिश्वत लेते हुए पकड़ा है। कार्रवाई पूरी हो जाने के बाद उप यंत्री राजेश गुप्ता को जमानत पर छोड़ दिया गया है। जिला पंचायत की एमडीएम सेल में पदस्थ राजेश गुप्ता की पत्नी राखी गुप्ता ड्यूटी छोड़कर सर्किट हाउस पहुंचीं। नगर निगम के सब इंजीनियर राजेश गुप्ता को 11,000 रिश्वत लेते रीवा लोकायुक्त ने दबोचा अधिनियम के तहत मामला पंजीकृत कर विवेचना में लियाृ लोकायुक्त एसपी गोपाल धाकड़ ने बताया कि 6 जून की दोपहर इमाम खान पिता स्वर्गीय शेर खान निवासी वार्ड क्रमांक 28 जवाहर नगर थाना सिटी कोतवाली तहसील रघुराज नगर जिला सतना के शिकायत के आधार पर राजेश गुप्ता, उप यंत्री, जोनल अधिकारी जोन क्रमांक – 2 नगर पालिका निगम सतना को 11,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए नगर निगम सतना कार्यालय में पकड़ा गया है। उप यंत्री राजेश गुप्ता के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला पंजीकृत कर विवेचना में लिया गया है।

क्या था मामला शिकायतकर्ता ने शिकायत की थी कि, शिकायतकर्ता द्वारा नगर पालिका निगम में प्रिकास्ट कार्य (नाली ढकने का कार्य) किया गया था जिसका मूल्यांकन करने के 33000 रुपये की मांग कर रहा था जिसमें से 22000 रुपये शिकायतकर्ता दे चुका है। गुरुवार के दिन दोपहर आरोपी राजेश गुप्ता को 11,000 रुपये रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथ ट्रैप किया गया। उक्त कार्रवाई राजेश खेड़े उप पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में की गई है।

पुलिस अभिरक्षा से अभियुक्त के फरार होने में मदद करने वाले दो शातिर अभियुक्तों को पुलिस टीम ने किया गिरफ्तार

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर, सहारनपुर जनपद की थाना सदर बाजार पुलिस ने पुलिस अभिरक्षा से अभियुक्त वसीम उर्फ मॉडल के फरार होने में मदद करने वाले दो शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर डॉ. विपिन ताडा द्वारा मामले का त्वरित संज्ञान लेते हुए वांछित अभुयुक्तो की गिरफ्तारी हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश दिए थे। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी नगर द्वितीय के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार त्यागी के कुशल नेतृत्व में आज थाना सदर बाजार पुलिस टीम ने मुकदमे के दो शातिर वांछित अभियुक्तों टीपू उर्फ मोहसिन पुत्र मोबीन निवासी खानआलमपुरा थाना जनकपुरी सहारनपुर, सुहेल पुत्र दलीप निवासी खानआलमपुरा थाना जनकपुरी सहारनपुर को अग्रसेन चौक के पास से गिरफ्तार किया है। अभियुक्तगणों को अन्य आवश्यक विधिक कार्यवाही कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। अभियुक्त सुहैल ने पूछताछ करने पर बताया कि वह वसीम उर्फ मॉडल उर्फ जॉन का दोस्त है तथा टीपू उर्फ मोहसीन, वसीम उर्फ मॉडल का भाई है। वसीम उर्फ माडल के दोस्त उक्त मुकदमे में जमानत पर है वह हमे उक्त मुकदमे की तारीख बताते रहते थे और हम उन तारीखो पर आकर न्यायालय परिसर में वसीम की पेशी के समय आते–जाते मिल लेते थे। वसीम ने हमसे कहा था कि मुझे लग रहा है कि मुझे सजा हो जायेगी इसलिये मैं जेल से भागना चाहता हूँ तथा यह भी कहा था कि दिनांक 03.06.2024 को कोर्ट में पेशी पर आउंगा उस दिन तुम मेरे भाई टीपू उर्फ मोहसीन को साथ लेकर कचहरी में आ जाना तथा मैं मौका देखकर तुम लोगो के सहयोग से पुलिस वालो से छूटकर भाग निकलूंगा। इसी योजना के तहत दिनांक 03.06.2024 को हम वसीम को भगाने के प्रयास में स्कूटी लेकर कचहरी में आये थे तथा पेशी से वापस आते समय हम लोग वसीम उर्फ मॉडल के दोनो तरफ चलने लगे थे तभी वसीम उर्फ मॉडल ने धीरे से अपने हाथ से हथकड़ी निकाल ली और हमसे भागने का इशारा किया तभी हम तीनो वहाँ से कैन्टीन की तरफ भाग गये थे। कचहरी में काफी भीड़ थी हम भीड़ में से होते हुये पुलिस से छिपते हुये मौका देखकर न्यायालय परिसर से बाहर आये। मोहसीन द्वारा लायी हुई स्कूटी पर वसीम उर्फ मॉडल को बैठाकर वहाँ से भाग गये थे। अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में सदर थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार त्यागी थाना सदर बाजार, सहारनपुर, अति0 नि0 संजीव त्यागी थाना सदर बाजार, सहारनपुर, ।उ0नि0 नन्नू सिंह थाना सदर बाजार, सहारनपुर, है0का0 ललित थाना सदर बाजार, सहारनपुर, है0का0 नरेश थाना सदर बाजार, सहारनपुर, का0 रोहित थाना सदर बाजार, सहारनपुर शामिल रहे।

सहारनपुर लोकसभा सीट से बसपा के टिकट पर चुनाव लडकर बुरी तरह हारे माजिद अली को बडे भाई समेत बसपा ने किया गया पार्टी से निष्कासित

बसपा ने माजिद पर लगाया पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल रहने का आरोप

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर, सहारनपुर लोकसभा सीट से अबकी बसपा के टिकट पर चुनाव लडकर बुरी तरह हारे माजिद अली को उनके बडे भाई समेत बसपा ने पार्टी से निष्कासित कर दिया है।बसपा ने माजिद अली पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल रहने का आरोप लगाया है। सहारनपुर लोकसभा सीट से बुरी तरह चुनाव हारते ही माजिद अली को बड़े भाई सहित बहुजन समाज पार्टी से निष्कासित करना राजनीतिग गलियारों में चर्चाओं का विषय बना हुआ है। माजिद अली की बसपा से दूरी की पहली घटना नहीं है। उनकी पत्नी तस्मीम बानो वर्ष 2016 में बसपा के टिकट पर जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव जीती थी। इसके बाद माजिद पांच साल पार्टी में रहे और हर एक गतिविधियों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया, लेकिन 2021 के जिला पंचायत चुनाव के दौरान पार्टी और उनके बीच कुछ मतभेद हो गए। इसके बाद उन्होंने 16 सितंबर 2021 को नोएडा में आजाद समाज पार्टी कार्यालय पर चंद्रशेखर की मौजूदगी में आसपा ज्वाइन कर ली थी। उन पर आरोप था कि बसपा से जिला पंचायत अध्यक्ष का दोबारा टिकट नहीं मिलने के कारण वह पार्टी छोड़कर भागे हैं। लेकिन तीन दिसंबर 2023 में यानी दो वर्ष दो माह 16 दिन बाद वह फिर से बसपा में लौट आए। एक सम्मेलन में पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रभारी शमसुद्दीन राइन ने उन्हें पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराने के साथ ही लोकसभा प्रभारी भी घोषित किया था। तब से वह लगातार पार्टी के साथ जुड़े हुए थे। लेकिन राजनीतिक गलियारों में बीच में यह भी चर्चा रही कि माजिद अली बसपा में आकर ज्यादा खुश नहीं हैं। क्योंकि इंडी गठबंधन के बाद उन्हें अपनी हार नजर आने लगी थी और हुआ भी यही। लोकसभा चुनाव में वह जमानत भी नहीं बचा सके। परिणाम आने के एक दिन बाद ही बसपा ने उन्हें पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल रहने एवं अनुशासनहीनता के चलते निष्कासित कर दिया है। उनके बड़े भाई केआरके को भी निष्कासित किया गया है।जिलाध्यक्ष जनेश्वर प्रसाद ने कहा कि माजिद तो पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल थे ही उनके भाई केआरके ने सोशल मीडिया के जरिए बहन मायावती के खिलाफ अपशब्द लिखे हैं, जिसे लेकर कार्रवाई की गई है। उधर बसपा से निष्कासित किए जाने के बाद माजिद अली ने बताया कि उन्हें निष्कासन संबंधी कोई फोन कॉल जिलाध्यक्ष की ओर से नहीं आया है। उन्हें सोशल मीडिया के माध्यम से निष्कासन की जानकारी मिली है। रही बात केआरके के निष्कासन की तो वह कभी पार्टी में नहीं रहा। हमसे भी उसका बहुत ज्यादा ताल्लुक नहीं है। बहन जी ने जो कार्रवाई की है वह उसके खिलाफ कुछ नहीं बोलेंगे।

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अन्तर्गत एक दिवसीय मण्डलीय कार्यशाला हुई आयोजित

निरन्तर पर्यवेक्षण से आर.आर .सी. का सफल संचालन सम्भव :- उप निदेशक पंचायत हरिकेश बहादुर

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अन्तर्गत होटल के0आर0प्लाजा में आयोजित एक दिवसीय मण्डलीय आर0आर0सी0 संचालन कार्यशाला में उपनिदेशक पंचायत हरिकेश बहादुर ने कहा कि निरन्तर पर्यवेक्षण से रिसोर्स रिकवरी सेन्टर का सफल संचालन सम्भव है। हरिकेश बहादुर ने स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अन्तर्गत ठोस एवं तरल अपशिष्ठ प्रबन्धन हेतु बनवाये गये आर0आर0सी0 सेन्टरों के सफल संचालन एवं प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सहायक विकास अधिकारी पंचायत एवं खण्ड स्वच्छता प्रेरकों को तन्मयता के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने की महत्ता को बताया। उन्होने संयुक्त राष्ट्र के 17 विकास लक्ष्यों में से एक स्वच्छता एवं सुरक्षित पेयजल तथा सभ्य मानव समाज के मुख्य दर्पण के रूप में स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रतिभागियों को अभिप्रेरित किया कि ग्राम पंचायतों के सर्वांगीण विकास हेतु प्राण-प्रण से जुट जायें। जिला पंचायत राज अधिकारी आलोक शर्मा द्वारा सम्बोधित करते हुए पंचायतीराज विभाग की विभिन्न जन सरोकार की योजनाओं पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गयी। मण्डलीय कार्यशाला को सन्दर्भदाता के रूप में अमित कुमार प्रशिक्षक के द्वारा आर0 आर0सी0 संचालन ऐप के बारे में प्रशिक्षित किया गया। मण्डलीय कार्यशाला में सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, शामली के समस्त जिला स्वच्छता सलाहकार, सहायक विकास अधिकारी पंचायत, जिला परियोजना प्रबन्धक तथा समस्त खण्ड स्वच्छता प्रेरकों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर जिला पंचायत राज अधिकारी शामली सन्दीप अग्रवाल वरिष्ठ फैक्लटी सहप्रबन्धक, डी0पी0आर0सी0 शामली युगान्तर धामा उपस्थित रहे।

300 टन वूडन स्क्रेप जलकर हुआ खाक

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ ।
शहडोल, बीते शुक्रवार सुबह 06 बजे ग्राम बिजौरी स्क्रेप फायर वूड स्टाक (लकडी) में रात्रि करीब 03 बजे आग लगने से जलकर राख हो गया है। मिली जानकारी के मुताबिक आग लगने से शहडोल धनपुरी निवासी मोहम्मद वकील के वूडन स्क्रेप यार्ड में हुई दुर्घटना में मिली, यार्ड पर रखे लगभग 250 टन वूडन स्क्रेप सेकेण्ड क्वालिटी का कीमत लगभग 13,00000 रूपए का एवं लगभग 50 टन वूडन स्क्रेप फस्ट क्वालिटी कीमत लगभग 8,00000 रूपये की कुल 21,00000 रूपये का नुकसान हुआ है। इस घटनाक्रम में आग कैसे लगी इसकी कोई जानकारी नहीं है। मामले में स्थानीय बड़वारा, कटनी थाने अंतर्गत पुलिस ने शिकायतकर्ता की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर कारणों का पता लगाने में जुटी है।

इधर पानी को सहेजने तालाबो, नालों की साफ-सफाई

शहडोल, कलेक्टर तरूण भटनागर के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में जिले में पानी सहेजने के लिए जिले के गाँव-गाँव व कस्बे-कस्बे में भी विश्व पर्यावरण दिवस से जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार व पुनर्जीवन का काम प्रारंभ किया गया है। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले के समस्त नगरीय निकायों, ग्राम पंचायतों में जल स्त्रोतो तथा नदी, तालाबो, कुआं, बावडी तथा अन्य जल स्त्रोतो के संरक्षण एवं पुर्नजीवन हेतु ''जल गंगा संवर्धन'' विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान में जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, अधिकारी एवं ग्रामीण बढ़-चढ़ कर भागीदारी निभा रहे हैं तथा नदी, तालाब, बावड़ी इत्यादि के आस पास सफाई करके स्वच्छ एवं सुंदर बनाया जा रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान में समाजसेवी, जन अभियान परिषद के सदस्यगण व अन्य लोगों द्वारा उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाया जा रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जनपद पंचायत बुढार के सेमरा में बिछिया तालाब की साफ सफाई, पलसऊ में कूप निर्माण लघु तालाब, नौगवा में नाला ट्रेचिंग कार्य, गिरवा में नाला ट्रेचिंग कार्य, देवरी में स्टाफ डैम की साफ सफाई, जोधपुर में नाले की साफ सफाई व अन्य कार्य किया जा रहे हैं। इसी प्रकार जनपद पंचायत ब्यौहारी के ग्राम पंचायत भोलहरा, सतखुरी,कुआ में भी नाले की साफ सफाई व अन्य कार्य किए गए। गौरतलब है कि जल गंगा संवर्धन अभियान 16 जून तक चलाया जाएगा। उधर रेत माफ़िया सोने की सुनहरी रेत में अँधा होकर अवैध खनन ओवरलोड परिवहन पर उतारू है। पानी बचेगा कितना समझने की आवश्यकता है।

विंध्य आईकॉनिक सोल्जर सम्मान 2024 का कार्यक्रम हुआ संपन्न

कार्यक्रम में आकर अभिभूत हुए धारावाहिक महाभारत के द्रोणाचार्य और आमंत्रित अतिथिगण

सिटी चीफ । उमेश कुशवाहा ।
सतना, देश के अमर शहीदों के परिजनों को समर्पित स्नेहा इवेंट मुंबई और सत्यार्थी फिल्म्स रीवा के भावभीने कार्यक्रम में आकर अभिभूत हुए धारावाहिक महाभारत के द्रोणाचार्य और आमंत्रित अतिथिगण। प्रदर्शित फिल्में देखकर हिचकियां लेकर रोए परिजन। सेना के अधिकारियों, अमर शहीदों के परिजनों और विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के विद्यार्थियों से खचाखच भरा रहा माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय का ऑडिटोरियम। बैठने की जगह नहीं मिलने पर उदास होकर लौटे बहुत से दर्शन।

फिल्मों के प्रदर्शन के साथ उपस्थित गायक कलाकारों ने बांधा समां जिनमें जतिन श्राफ और अरमान अली मुंबई से, रीता केवट सतना से के अलावा रिदम म्यूजिकल ग्रुप से उपस्थित हुईं गुंजन शुक्ला और संध्या वर्मा।गत दिवस माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में स्नेहा इवेंट मुंबई और सत्यार्थी फिल्म्स रीवा के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित समारोह.... जो नई पीढ़ी के को देशप्रेम के जज्बे के साथ सेना में जाने की प्रेरणा देने के लिए किया गया था, भारतीय सेवा के अमर शहीदों के परिजनों को समर्पित रहा,दर्शकों के साथ आमंत्रित अतिथियों की भी संवेदना को छूने वाले इस आयोजन में बोलते हुए मध्यप्रदेश के यशस्वी डिप्टी चीफ मिनिस्टर माननीय राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि इस तरह की आयोजन देशप्रेम की भावना का प्रचार प्रसार करते हैं और युवाओं के भीतर सेना में जाने की ललक पैदा करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से विंध्य का मान बढ़ेगा।आयोजन की तारीफ करते हुए बॉलीवुड अभिनेता सुरेंद्र पाल ने कहा कि सत्यार्थी फिल्म और स्नेह इवेंट के इस आयोजन में आकर उन्हें बहुत अच्छा लगा उन्होंने कहा कि विंध्य में बहुत संभावनाएं हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए उन्होंने स्नेहा इवेंट्स के विष्णु मिश्रा और सत्यार्थी फिल्म की डॉक्टर आरती तिवारी और सत्येंद्र सेंगर को बधाई दी.. और कहा कि रीवा जब उन्हें बुलाएगा तब वे ऐसे आयोजनों में वरीयता से आएंगे। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा सिंह बागरी ने कहा कि इस तरह के आयोजनों में वे पहली बार शामिल हुई है और पूरे कार्यक्रम के दौरान कई बार उनकी आंखें भीगती रहीं। उन्होंने कहा कि वीर नारियों की उपस्थिति में फिल्म प्रदर्शन के दौरान और मंच पर उन वीर नारियों के आगमन से वे भावुक हो गई थीं। उनका कहना था कि इस कार्यक्रम ने उनकी आत्मा को छुआ ।

विशिष्ट अतिथि पुष्पेंद्र सिंह ने कहा कि वे कॉर्पोरेट जगत के आदमी है मगर जब आयोजकों ने उन्हें सेना को समर्पित इस कार्यक्रम में बुलाया तब वे खुद को आने से नहीं रोक सके। देशप्रेम की भावना को जगाने वाले.. भविष्य के ऐसे कार्यक्रमों में वह जरूर आएंगे।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे भारतीय सेवा के सीनियर वेटरन ब्रिगेडियर देवेंद्र सिंह ने सेना में विंध्य के योगदान को रेखांकित किया और कहा कि नई पीढ़ी को सेना से जोड़ने वाले इस तरह के आयोजन और भी होने चाहिए और जिसमें सेना से जुड़े हुए लोगों को विभिन्न संस्थाओं में पढ़ रहे विद्यार्थियों के साथ बिठाना चाहिए।इस दौरान मंच पर विशिष्ट अतिथि के रूप में कर्नल पी गंगा, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी तथा कर्नल ज्ञानेंद्र सिंह जी मंच पर विराजमान रहे

आयोजन का सफल संचालन डॉक्टर आरती तिवारी के साथ सत्येंद्र सेंगर और विजय बहादुर सिंह ने किया।दर्शक दीर्घा की प्रथम पंक्ति में विराजमान अमर शहीदों के परिजनों में शौर्य चक्र विजेता

अमर शहीद सूबेदार कर्णवीर सिंह के पिता मेजर रवि प्रताप सिंह और मां मिथिलेश सिंह , वीर चक्र विजेता अमर शहीद लांसनायक दीपक सिंह के पिता सुधाकर सिंह और बड़े भाई प्रकाश सिंह, अमर शहीद मेजर आशीष दुबे के पिता डॉ शिवकुमार दुबे और माता श्रीमती गीता दुबे, अमर शहीद लांसनायक सुधाकर सिंह की पत्नी श्रीमती दुर्गा सिंह और उनके पिता मानेंद्र सिंह,सेना मेडल विजेता अमर शहीद कालू प्रसाद पांडे की धर्मपत्नी श्रीमती श्यामकली पांडे, और भतीजे रामसागर पांडे, अमर शहीद सिपाही राम सजीवन जयसवाल की पत्नी श्रीमती देववती जायसवाल और पुत्र उदय जायसवाल, अमर शहीद सिपाही अवधेश सिंह तोमर की बेटी श्रीमती तुलसी सिंह, अमर शहीद नायक कन्हैया लाल सिंह की पत्नी श्रीमती सुधा सिंह, सपरिवार अमर शहीद नायक बाबूलाल सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती राज दुलारी सिंह सपरिवार, अमर शहीद उमेश शुक्ला की पत्नी श्रीमती सरोज शुक्ला और उनके भाई राम उजागर पांडे और अमर शहीद सब इंस्पेक्टर बंशीधर तिवारी की धर्मपत्नी अपने पुत्र मकरध्वज तिवारी के साथ विराजमान रहीं।कार्यक्रम के दौरान संगीत प्रभाव के लिए मनोज बैरिहा उपस्थित हुए जिन्होंने प्रदर्शित फिल्मों में पार्श्व संगीत दिया था।सभागार में रिदम ग्रुप के डॉ विनोद तिवारी के अलावा लोक गायिका मणिमाला सिंह और रेखा सिंह के साथ श्रीमती सुषमा सिंह, श्रीमती सुधा सिंह, कवित्री डॉक्टर सरिता सलिल और ज्योत्सना सिंह मझियार उपस्थित रहीं, आयोजन में कई पूर्व सैनिकों में कैप्टन के एस परिहार, संजय सिंह, लखेश्वर सिंह, दिवाकर सिंह, देवेंद्र सिंह चूंद के अलावा शहर के गणमान्य नागरिक शामिल हुए जिन में डॉक्टर मनमोहन सिंह, सेंगर हेल्थ ड्रामा सेंटर, श्री बृजेंद्र सिंह होटल लैंडमार्क, अनिरुद्ध सिंह होटल शार्क इन,

श्रीपाल शर्मा हार्वर्ड इंग्लिश स्कूल, श्री रितेश केसरवानी शिवम डिजिटल, अभिनेत्री श्रीमती अंजलि पयासी , वरिष्ठ समाजसेवी रमेश नागर, प्रशांत सिंह लखनवाह जनपद सदस्य रामपुर, भगत सिंह तोमर चार्टर्ड अकाउंटेंट, बहादुर सिंह आर्मी ट्रेनर बहादुर फिजिकल अकैडमी रीवा,अवधेश तिवारी ,विद्यांचल सोशल ग्रुप इंदौर, आलोक त्रिपाठी अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण ब्यूरो, अर्चना कुशवाहा राष्ट्रपति सम्मान प्राप्त समाज सेविका के अलावा आनंद सोंधिया रौनक कुमार, युवा समाजसेवी श्रेयांश मिश्रा भोपाल ,राजा भैया पुष्पराज सिंह , उमेश कुशवाहा, शंकर सिंह नैना आदि शामिल रहे.

सहकार का बदस्तूर जारी वैध ट्रांजिट पास, अवैध रेत खनन

न फ्लैग न मुनारा, लीज सरहद से बढ़कर ताबड़तोड़

मोहम्मद मुनीर। सिटी चीफ।

शहडोल, अब तो जिले में भी लगातार जहां जल स्तर गिरने की सुगबुगाहट शुरू हो गई है खबर यह भी है बोरबेल खनन कारोबार की भी इसी किल्लत को दूर करने के लिए जनता पानी की तरह पीने के पानी के लिए जद्दोजहद कर रही है और इसलिए इस कारोबार की चांदी भी है। जिले में लोगों ने कर्ज लेकर खेत गहन रखकर भी बोरबेल खनन करवाया है। आखऱि जल स्तर घटने के पीछे का क्या कारण आप अंदाजा लगाइए आज 350-600 फिट बोरबेल का खनन करना पड़ता है मतलब पीने का पानी पाताल खोदकर लाना पड़ रहा है स्थिति भयावाह है।

तड़फ तड़फ दम तोड़ते जलीय जंतु एवं परजीव ....

शहडोल में बीते दिनों मेसर्स सहकर ग्लोबल लिमिटेड को मिले ठेके के बाद से ही जिले में लगातार उक्त समूह ठेका कंपनी ने शहडोल की लाइफलाइन सोन और उसकी सहयोगी नदी नालों से अंधाधुंध रेत निकलने का काम किया है जिससे बारिश इत्यादि में रेत में पानी सोखते हुए जल का ज़मीनी स्तर वाटरलेवल मजबूत रखता है, लेकिन दनादन वैध की आड़ में अवैध रेत खनन ने इलाके का वाटर लेवल बिगाड़ कर रख दिया है। अब निकट भविष्य में आपको पीने का पानी छोड़ दीजिए जानवरों का निस्तारण को लाले पड़ जाएंगे। मामले में जानकार विषेशज्ञ बतलाते हैं अंधाधुंध रेत खनन करने वाली बाहरी रेत ठेका कंपनी को केवल और केवल अपने मुनाफे से मतलब है शहडोल की जनता जनार्दन से कोई लेना-देना जनता का कंठ भले ही सूख जाए, हजारों मवेशी जानवर परजीवी, जलीय जीव भले ही तड़प तड़प कर दम तोड देंगे। लेकिन मजाल है रेत ठेका कंपनी से मामले में क्यों कब कैसे वाले सवाल जवाब तलब कर लें।

कायदे कानून का उड़ा रहा माखौल.....

हम आपको बता दें कि बीते विधानसभा के पहले रेत खनन के लिए सहकार ग्लोबल कंपनी को वैधानिक रूप से रेत खनन का ठेका मिला, यह ठेका अंतर्गत रेत खनन नियमों के विरुद्ध नहीं होना है। जबकि शुरुआती दिनों से ही यह कंपनी वैध की आड़ में अवैध खनन करती चली आ रही है। जिम्मेदार अफसरों ने बाकायदा मामले में संज्ञान लेते हुए करोड़ों रुपए तक का जुर्माना लगाया है। बावजूद इससे सीख ना लेते हुए कारोबार को बुलंदियों तक पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। करोड़ों रुपए अर्जित कर मुनाफा कमाने वाली ठेका कंपनी ठेका पूरा होते ही यहां से चली जाएगी। पर इस इलाके में आने वाले समय में मानव? जीवन को जल संकट का सामना करना पड़ सकता है, और भविष्य में समूचे जिले में पीने के पानी की खातिर त्राहिमाम त्राहिमाम होगा।?

एएसआई और पटवारी की हत्या....

कहा जाता है कि शहडोल जिला खनिज विभाग में पदस्थ माइनिंग आफिसर देवेन्द्र पटले की पदस्थापना के बाद से ही रेत माफियाओं का सिंडिकेट एक्टिव हुआ, न जाने सीधी और आसपास के लठैतो ने शहडोल में डेरा डाल लिया है जिनका कोई रिकॉर्ड थाने इत्यादि में ढूंढने से शायद ही मिलेगा, हालही में जाने रेत तस्करी कि किस गिरोह ने पटवारी की हत्या करवा दी थी, जिसकी जाँच आज तक सफर कर रही है मृतक कि पत्नी बच्चे अब मामले में हाई कोर्ट कि शरण में है उन्होंने महसूस कर लिया जिले का रेत कारोबार और उसका सिंडिकेट सहकार ग्लोबल चला रही है, अब इलाके में होनी उन्होनी किसी के साथ भी हो सकती है, पटवारी के बाद एएसआई को रेत माफियाओ ने कुचलकर मार डाला, इस घटनाक्रम के बाद तो मानो प्रदेश कि राजधानी से लेकर देश कि राजधानी में हड़कंप मचा हुआ था। जबकि कायदे-कानून कहते हैं एक बस सरकारी अफसर की मौत पर प्रशासन को? कड़ा विरोध करना चाहिए था। कार्यवाही तथाकथित दलाल पर ना होने के चलते उक्त मामले में रेत ठेका कंपनी और प्रशासनिक सांठ-गांठ के आरोप लगे हैं।

कायदे-कानून का उड़ा माखौल.....

जबकि माइनिंग कारपोरेशन की गाइडलाइंस कहती हैं शर्तों का उल्लघंन किए जाने पर आई शिकायत पर कार्रवाई के दौरान एमबी जब्त कर ली जाती है पुन: ठेका प्रकिया अपनाई जाए। लेकिन इस कारोबार में लगे हुई कंपनी सहकार ग्लोबल का लगातार जिले की तय शासन की गाइडलाइंस का उल्लघंन किए जाने का मामला लगातार बढ़ता जा रहा है, और जिम्मेदारो की आंख पर मानो पट्टी बांधी हुई है, अब तो लोकसभा चुनाव ड्यूटी का बहाना भी है लेकिन पोड़ी घाट की बनी चेक पोस्ट में आम जनों के बैग के अंदर तक तफ्तीश करने वाले जिम्मेदार अफसरों को बीच नदी की धार से निकलती हुई ओवरलोड रेत और ट्रक से टपकता नज़र नहीं आता, इन दिनों जयसिंहनगर ब्यौहारी और देवलोद थानांतर्गत की सड़कों पर दिन और रात

के समय भारी भरकम डंपर को चालक तेज रफ्तार के साथ वाहनों में ओवरलोड रेत भरकर अवैध रूप से परिवहन कर रहे हैं है, जिससे लगातार सड़क हादसों की आशंका बनी हुई है तो वहीं मध्यप्रदेश सरकार के राजस्व का भारी नुकसान हो रहा है।

द्ध की भूमिका पर सवाल....

शहडोल जिले के ब्योहारी अनुभाग में लगातार जारी रेत खनन और ओवर लोड रेत परिवहन को लेकर अचंभित करने वाली बात सामने आ रही है, रेत लादे डम्फर में पटिया लगाकर ओवरलोड रेत भरकर एसडीओपी कार्यालय के ठीक सामने से जाती है, चुकी बात मैनेजमेंट कि है और माननीय का आदेश भी जिनके रहमो करम के चलते न तो पटवारी मामले में कोई फेर बदल हुआ नहीं एएसआई की बलि चढ़ने के बाद किसी नौकरशाह का दिल पसीजा, सबके सब माफियाओ को मनो प्रोटेक्ट करने में लगे हुए है, तभी तो जिम्मेदार अफसर इन रेत ओभरलोडिंग के खेल वाले माफिया पर विधिवत कार्रवाई करने से जाने क्यों परहेज़ कर रहे हैं। या मान लिया जाए कि रेत माफिया के बुलंद हौसलों के सामने प्रशासनिक अफसर व खनिज विभाग के अधिकारी बौने साबित हो रहे है। इस जिले से प्रति दिन तीन सैकड़ों की संख्या मे रेत से भरे बड़े बड़े डंपर निकलते है। इन डंपरों में ओवरलोड रेत भरी होने के कारण सड़कें भी बेजा क्षतिग्रस्त हो रही हैं। और लोगो की रेत लादे ट्रक से मौत भी हो रही है।

एसडीओपी और कथित नेता की वायरल ऑडियो....

एक ओर जिसके चलते जहां मध्यप्रदेश शासन को हर दिन लाखों रुपए की रायल्टी का नुकसान हो रहा है तो वहीं सड़कों को भी नुकसान पहुंचाया जा रहा है। रेत से भरे यह डंपर, टेलर, 16-18 टायरा ट्रकों का काफिला शहडोल जिले की सड़कों से निकल कर सतना जिले की सीमा से होकर गोविंदगढ़ रीवा पहुंचते ही दो ट्रकों से तीन बनाकर रेत कारोबारी दलाल रेत माफिया करोड़ों की मिल्कियत बना चुके हैं इसका उदाहरण के रूप में देखा जाए तो रेत ठेका कंपनी सहकार ग्लोबल में सीधी के कथित रेत माफिया का नाम आ रहा था, जिसका नाम पटवारी हत्याकांड में काफी सुर्खियां बटोर चुका है जिसमें एसडीओपी रवि कोल और कथित नेता की रिकार्डिंग वायरल हुई थी। दोनों की आवाज में सुनाई दे रहा था कि गठबंधन सुनहरी रेत का नदी और सोन नदी घड़ियाल अभ्यारण को चंद पैसों की खातिर निस्तोनाबूद करने में आमादा है।

सुधिजनो की नवागत कलेक्टर से आश...

हम आपको बता दें कि रेत के ओवरलोड ट्रकों डंपरो को आप अक्सर ढाबों पर घंटों खड़े रहते हैं, लेकिन कभी किसी अफसरों द्वारा इस रेत से भरे इन ट्रकों एवं डंपरों पर कार्रवाई नहीं की गई। सूत्रों के हवाले से खबर यह भी है कि खनिज विभाग की सफेद सरकारी बोलेरो लगातार ब्यौहारी के जेपी नामक होटल में खड़ी होती है और फिर सारी ओभरलोडिंग वैध हो जाती है। सुधि जनों ने मांग की है कि कलेक्टर को इस कंपनी के अवैध रेत परिवहन और लगातार लीज क्षेत्र से बाहर जाकर रेत खनन करने वाले लोगों पर कार्यवाही करें। वरना प्रशासनिक कसावट की कलई खुल कर रह जाएगा।

आखिर किसकी वह और दबंगई...

ओवरलोड रेत से भरे डंपर पुलिस थाना, एसडीएम व तहसीलदार कार्यालय के समाने से बेखौफ होकर प्रति दिन निकलते है, लेकिन ओवर लोड रेत से भरे इन डंपरों पर प्रशासनिक अफसरों के द्वारा कार्रवाई नहीं की जाती है। हालांकि कभी कभार दिखावे के लिए रेत से भरे डंपरों की चैकिंग के नाम पर रोका जाता है। बगैर कार्रवाई के चलता कर दिया जाता है। वहीं खनिज अधिकारी भी कार्रवाई करने से परहेज़ करते हैं। जो समझ से परे है। अब तो ट्रालियों से रेत परिवहन कर की जा रही है। और प्रशासनिक गलियारों के सूत्रों के मुताबिक ब्योहारी एसडीओपी रवि कोल एवं एक सत्ता दाल के नेता का वायरल ऑडियो ने रेत कारोबार में कितना किसका इन्वॉल्मेंट है साफ़ है लेकिन बावजूद एसडीओपी की करतूत को खगालने की जगह थाना प्रभारी पर गाज गिराकर नाखून काट शहादत मनाई लेकिन जिले की जनता और इस रेत की खेल में प्रताड़ित पटवारी और एएसआई के परिजनों का किसी ने नहीं सोचा की ऐसा चलता रहा तो आज उसकी कल आपकी बारी होगी।

रोज 5 से 10 लाख राशि की चोरी...

सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के मुताबिक चरकवाह की लीज नाले में है खसरा नंबर 283/290 है लेकिन उत्खन 3 किलोमीटर आगे सोन नदी से किया जा रहा, और तो और पोड़ी से उत्खनन किया जा रहा लेकिन टीपी चरकवाह की दी जा रही है जिससे सहकार ग्लोबल कंपनी भरपूर खनिज राजस्व की चोरी भी कर रही है जिससे मध्यप्रदेश की मोहन यादव सरकार को करोडो का चूना लगा रहा है राजएक्सप्रेस की पड़ताल के मुताबिक प्रतिदिन उक्त ठीहे से 5 से 10 लाख राशि की चोरी रोज की जा रही इतना ही नहीं सोन की सुनहरी रेत की तस्करी के खतिर माइनिंग कार्पोरेशन की गाइड लाइन का सरेराह उल्लंघन करते हुए बेधड़क लीज से हट के खनन किया जा रहा है जिसके लिए कम्पनी के कारिंदो द्वारा नदी की धार को मोड़ कर बीच नदी में उत्खनन किया जा रहा है।

मिट जाएगा नदियों का अस्तित्व...

हम आपको बता दें कि रेत खनन मामले में सीटीओ एवं तमाम गाइडलाइंस में सरकार द्वारा ठेका कंपनी सहकार ग्लोबल को विभिन्न दस्तावेजों में में स्पष्ट कह दिया गया है कि लीज क्षेत्र से बाहर जाकर रेत निकालना और उसे चिन्हित ट्रांजिट पास पर बेचना गैरकानूनी है बावजूद बाकायदा रेत खनन कंपनी और डेविड के गुर्गे जीवनदायिनी नदियों का अस्तित्व मिटाने पर आमादा है ऐसे कई नामजद उदाहरण है जहां रेत ही नहीं है लेकिन वैध? रेत ठेकेदार अपना मुनाफा काटने के लिए आवंटित लीज क्षेत्र से बाहर जाकर रेत खनन कर रहा है। इस तरह शहडोल जिले में रेत खनन और परिवहन के लिए संबंधित विभाग द्वारा सहकार ग्लोबल कंपनी को सड़को की दुर्गती, सोननदी एवं आसपास के इलाके के सहयोगी नदी नालों की दुर्गती करने की मानों खुली छूट देकर रखा गया जिससे जिले की प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठना लाजिमी है।

प्रतिक्रिया.....

मामले में सहकार ग्लोबल के कथित सीजीएम उत्तम शर्मा से बात की गई लेकिन उनके पास अर्जेंट मीटिंग का एक राटा रटाया बहाना है और बाद में साल करता हूँ। मतलब साफ़ है सने है हाथ सरकारी अफसरों के खून से पर अफसर कहते है कुछ हुआ ही नहीं।

उत्तम शर्मा, सीजीएम
मेसर्स सहकार ग्लोबल लिमिटेड, मुंबई.

तीन नवीन कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

बिलासपुर

बिलासपुर - अगले महीने 01 जुलाई 2024 से लागू होने वाले तीन नवीन कानून - भारतीय न्याय संहिता , भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आज डॉ. संजीव शुक्ला भापुसे , पुलिस महानिरीक्षक, बिलासपुर रेंज के निर्देशन पर रेंज पु.म.नि. कार्यालय बिलासपुर में ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यशाला सत्र का शुभारंभ रेंज पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर डॉ. संजीव शुक्ला द्वारा किया गया। जिनके द्वारा अपने उद्बोधन में बताया गया कि दिनांक 01 जुलाई 2024 से लागू होने वाले तीन नवीन कानूनों के क्रियान्वयन के पूर्व सभी पुलिस अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। इसी अनुक्रम में पुलिस मुख्यालय द्वारा सभी स्तर के पुलिस अधिकारियों को प्रशिक्षित करने समय-समय पर प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया है। पुलिस महानिरीक्षक द्वारा बताया गया कि नवीन कानूनों के प्रशिक्षण की इस श्रृंखला में बिलासपुर रेंज के जिलों में पदस्थ सभी रैंक के विवेचक स्तर के अधिकारियों को प्रशिक्षित करने के लिये भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 में हुये बदलाव व कानूनों की बारीकियों को समझाने के लिये विस्तृत प्रेजेन्टेशन तैयार करवाया गया है। इस प्रजेन्टेशन के माध्यम से नवीन कानूनों से संबंधित परिवर्तित धाराओं, परिभाषाओं आदि की एक-एक शब्द की व्याख्या प्रेजेन्टेशन में की गई है जो नवीन कानूनों को समझने और उसके क्रियान्वयन में विवेचना अधिकारियों के लिये सहायक होंगे। पुलिस महानिरीक्षक द्वारा प्रशिक्षण में सम्मिलित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि यहां से प्रशिक्षण प्राप्त करने उपरांत वे अपने-अपने जिले में पदस्थ निरीक्षक से प्रधान आरक्षक स्तर के सभी कर्मचारियों को दिनांक 30 जून 2024 तक नवीन कानूनों की बारीकी एवं बदलाव के संबंध में प्रशिक्षण देवें।

शिवपुरी ब्लॉक ने देश में सर्वप्रथम 600 पीएम जनमन आवास पूर्ण किये

शिवपुरी

विगत देश में सबसे पहला आवास , सबसे पहले 100 आवास पूर्ण करने वाला ब्लॉक रह चूका है शिवपुरी ब्लॉक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने 15 जनवरी को पीएम जनमन योजना अंतर्गत एकसाथ एक लाख से अधिक हितग्राहियो के खाते में आवास की प्रथम किश्त डालकर इस योजना की शुरुआत की थी तत्पश्चात कलेक्टर शिवपुरी ने तत्परता दिखाते हुए एक एक आवास की मॉनिटरिंग के लिए जिला एवं जनपद सीईओ को निर्देश दिए एवं सीईओ जिला पंचायत उमराव सिंह मरावी के द्वारा प्रतिदिन सीईओ जनपद शिवपुरी गिर्राज शर्मा के साथ 3-4 पंचायत का भ्रमण करना शुरू किया , फील्ड पर जाकर आदिवासी हितग्राहियो से चर्चा कर आवास पूर्णता में आ रही परेशानी के बारे में पता लगाया और प्रत्येक पंचायत के लिए एक नोडल की जिम्मेदारी सुनिश्चित की ! नोडल प्रतिदिन पंचायत में जाकर हितग्राहियों के लिए समय पर पैसे का आहरण से लेकर , कारीगर मजदूर की व्यवस्था करना ,सेंट्रिंग की व्यवस्था करना जैसी अनेक समस्याओ को सॉल्व कराया एवं वरिष्ट स्तर की समस्याओं को समय पर अवगत कराया जिसके फलस्वरूप शिवपुरी जनपद की कलोथरा पंचायत ने मात्र 29 दिन में ही देश का प्रथम पीएम जनमन आवास भागचंद्र आदिवासी ने तैयार करवाया इसके साथ देश का एकमात्र ब्लॉक है जो 500 से अधिक आवास बना पाया है इसके अतिरिक्त पीएम जनमन अंतर्गत 6 कॉलोनी भी बन रही है जहाँ एकसाथ हितग्राही आवास कॉलोनी के रूप में बना रहे है निकट भविष्य में इन कॉलोनी में रोड , पानी , बिजली , चौपाल , आंगनवाड़ी भवन बनाकर दिया जाएगा , कलेक्टर शिवपुरी लगातार इसके लिए प्रायसरत है

वाद विवाद के चलते पत्नि की हत्या करने का आरोपी पति जेल दाखिल

कबीरधाम

कबीरधाम - संतान ना होने की बात को लेकर हमेशा होने वाले वाद विवाद के चलते गुस्से में आकर शराब पिलाने के बाद तकिया से पत्नि के मुंह नाक को दबाकर हत्या करने के आरोपी पति को कुण्डा पुलिस ने गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया , जहां से उसे न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेज दिया गया। पुलिस मीडिया समूह में घटना की विस्तृत जानकारी देते हुये पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक पल्लव ने बताया विगत माह 19 अप्रैल को डायल 112 के जरिये सूचना प्राप्त हुई कि थाना कुण्डा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सेन्हाभाठा में कंचन उर्फ लता अपने घर पर फौत कर गई है। सूचना मिलते ही मौके पर रवाना होकर प्रार्थी दुर्गेश मल्लाह की सूचना पर मौके पर देहाती मर्ग इंटिमेशन धारा 174 जाफौ कायम कर मृतिका कंचन उर्फ लता की शव पंचनामा जांच कार्यवाही उपरांत मर्ग क्रमांक 08/24 धारा 174 जाफौ कायम कर जांच में लिया। जांच के दौरान मृतिका के शव का पीएम रिपोर्ट में डॉक्टर ने बिसरा परीक्षण कराने का राय दिये थे। बिसरा परीक्षण रिपोर्ट प्राप्त होने पर पीएम रिपोर्ट का क्रेरी कराया गया। क्रेरी उपरांत डाक्टर द्वारा मृतिका की मृत्यु होमोसाईडल नेचर का होना लेख करने पर मामले में धारा 302 , 201 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मामला महिला संबधी और गंभीर प्रकृति एवं संवेदनशील होने से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। पुलिस अधीक्षक डाँ.अभिषेक पल्लव के द्वारा त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विकास कुमार व पुष्पेन्द्र बघेल एवं अनुविभागीय शपुलिस अधिकारी पंडरिया पंकज पटेल के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी महेश प्रधान के नेतृत्व में टीम बनाकर विवेचना दौरान संदेही दुर्गेश मल्लाह से पूछताछ किया गया जो बार-बार पुलिस को गुमराह करते रहा। पुलिस द्वारा मनोवैज्ञानिक रूप से एवं कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी दुर्गेश ने घटना को स्वयं करना कबूल किया , जिसका मेमोरेण्डम कथन लिया गया। आरोपी के निशानदेही पर मृतिका की हत्या करने के लिये मृतिका का नाक मुंह दबाने में घटना में प्रयुक्त तकिया को जप्ती किया गया है।?? आरोपी ने संतान ना होने की बात को लेकर हमेशा पति पत्नि में वाद-विवाद लड़ाई झगडा करना बताया। मृतिका द्वारा आरोपी पति दुर्गेश में ही कमी होना बोलकर लगातार ताने मारना , गाली गलौज करना और संबध बनाने से इंकार करने के कारण घटना दिनांक की रात्रि को भी आरोपी और मृतिका कंचन बाई के साथ आपस में विवाद हुआ था। तब आरोपी ने मृतिका को शराब पिलाकर उसके मुंह नाक को तकिया से दबाकर हत्या कर दिया और घर वालों को मृतिका का भूत प्रेत का बाधा होना , झटके मारना कहकर गुमराह किया तथा मृतिका के चेहरे में आई चोट को भी झटका लगने से होना बताया था। गवाहों का कथन व विवेचना साक्ष्य एवं पीएम रिपोर्ट के आधार पर आरोपी दुर्गेश मल्लाह द्वारा अपराध घटित करना सिद्ध पाये जाने से थाना कुण्डा पुलिस ने विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया , जहां से उसे न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेज दिया गया। इस सम्पूर्ण मामले के खुलासे में उप निरीक्षक विनोद खांडे , प्रधान आरक्षक ज्ञानेश्वर केलकर ,भोलाराम यादव , मुकेश राजपूत , आरक्षक लल्लू राजपूत , हिरेश ठाकुर , चित्रांगद सिंह ध्रुव , महिला आरक्षक नुमतिसाहू , बबली चंद्राकर , नेहा साव का विशेष योगदान रहा।

गिरफ्तार आरोपी - दुर्गेश मल्लाह पिता कुंजू राम मल्लाह उम्र 35 वर्ष निवासी सेन्हाभाठा , थाना - कुण्डा , जिला - कबीरधाम छत्तीसगढ़ ।

दक्षिण कोरिया के कारोबारी को महंगा पड़ा तलाक

सेटलमेंट के तौर पर देने पड़ेंगे 83 अरब रुपये

इंटरनेशनल डेस्क- दक्षिण कोरिया के एक अरबपति कारोबारी चे ताई-वॉन को अवैध संबंध रखना बहुत महंगा पड़ा। अवैध संबंधों के कारण हुए तलाक के कारण उन्हें अदालत ने सेटलमेंट के रूप में पूर्व पत्नी को एक अरब डॉलर यानी करीब 83 अरब रुपये सेटलमेंट के रूप में देने का आदेश पारित किया है। इसे देश का सबसे बड़ा डिवोर्स सेटलमेंट माना जा रहा है। ताई-वॉन की कंपनी एस.के. इंक दुनिया की सबसे बड़ी सेमीकंडक्टर कंपनियों में से एक है। इस कंपनी का बिजनस टेलिकॉम, केमिकल और एनर्जी में भी फैला हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ताई-वॉन की नेटवर्थ करीब चार लाख करोड़ वॉन है। हालांकि कोर्ट के फैसले के बाद कंपनी के शेयरों में करीब नौ फीसदी तेजी आई है।

अवैध संबंधों के कारण हुआ था तलाक

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ताई-वॉन की 35 साल पुरानी शादी करीब एक दशक पहले टूट गई थी। इसकी वजह यह थी कि ताई-वॉन के किसी और महिला के साथ संबंध थे और एक बच्चा भी था। सोल हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि एस.के. ग्रुप के चेयरमैन ताई-वॉन की तलाकशुदा पत्नी रोह सो-यंग उनकी कंपनी में शेयरों की हकदार हैं। निचली अदालत ने 66.5 अरब वॉन के सेटलमेंट को मंजूरी दी थी। फैमिली कोर्ट ने भी रोह की इस दलील को खारिज कर दिया था कि उन्हें कंपनी के शेयरों में एक हिस्सा मिलना चाहिए।

हाईकोर्ट ने पलटा फैसला

जबकि हाईकोर्ट ने इसे कई गुना बढ़ाकर 1.38 लाख करोड़ वॉन यानी करीब एक अरब डॉलर कर दिया। हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के भी फैसले को पलटते हुए कहा कि शेयरों को जॉइंट प्रॉपर्टी माना जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि रोह ने एस.के. ग्रुप के बिजनैस और ताई-वॉन की बिजनैस एक्टिविटी को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई थी। कोर्ट ने कहा कि ताई-वॉन की जायदाद में से रोह को करीब 35 फीसदी हिस्सा मिलना चाहिए। हालांकि ताई-वॉन के वकीलों ने कहा कि वे हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील करेंगे क्योंकि कोर्ट ने केवल एक ही पक्ष की दलीलों को सुनकर यह फैसला दिया है।

पूर्व राष्ट्रपति की बेटी है पीड़िता

रोह देश की पूर्व राष्ट्रपति रोह ताई-वू की बेटी है। अदालत ने पाया कि रोह ने ताई-वॉन के बिजनैस को नियामकीय बाधाओं से बचाने में मदद की थी। कोर्ट ने कहा कि ट्रायल के दौरान ताई-वॉन के चेहरे पर अपने किए पर कोई पछतावा नजर नहीं आया। नए सेटलमेंट में इस बात का भी ध्यान रखा गया है कि रोह को अपने पूर्व पति के अवैध संबंधों के कारण किस तरह की पीड़ा से गुजरना पड़ा था। हालांकि ताई-वॉन के वकीलों ने कहा कि रोह के राजनीतिक संबंधों से ताई-वॉन को फायदा कम और नुकसान ज्यादा हुआ।

रूस में सेंट पीटर्सबर्ग के पास 4 भारतीय मेडिकल छात्र डूबे

दो लड़के और दो लड़कियों की मौत

मॉस्को- रूस में सेंट पीटर्सबर्ग के पास एक नदी में चार भारतीय मेडिकल छात्र डूब गए और देश में भारतीय मिशन उनके शवों को जल्द से जल्द उनके रिश्तेदारों के पास भेजने के लिए रूसी अधिकारियों के साथ समन्वय कर रहे हैं। चारों छात्र - 18-20 वर्ष की आयु के दो लड़के और दो लड़कियाँ, वेलिकि नोवगोरोड शहर में पास के नोवगोरोड स्टेट यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे थे। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि वोल्खोव नदी पर समुद्र तट से बाहर निकली एक भारतीय छात्रा मुसीबत में फंस गई और उसके चार साथियों ने उसे बचाने की कोशिश की। उसे बचाने के प्रयास में तीन अन्य लोग भी नदी में डूब गये। तीसरे लड़के को स्थानीय लोगों ने सुरक्षित निकाल लिया। मॉस्को में भारतीय दूतावास ने एक्स को बताया, हम शवों को जल्द से जल्द रिश्तेदारों के पास भेजने के लिए काम कर रहे हैं। जिस छात्र की जान बचाई गई है, उसे उचित इलाज भी मुहैया कराया जा रहा है। सेंट पीटर्सबर्ग में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने कहा कि ये छात्र वेलिकि नोवगोरोड स्टेट यूनिवर्सिटी में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे थे। एक्स पर पोस्ट किया गया, शोक संतप्त परिवारों के प्रति सच्ची संवेदना। महावाणिज्य दूतावास ने कहा कि वह वेलिकि नोवगोरोड के स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर शवों को जल्द से जल्द रिश्तेदारों तक पहुंचाने के लिए काम कर रहे हैं। इसमें कहा गया, शोक संतप्त परिवारों से संपर्क किया गया है और हर संभव मदद का आश्वासन दिया गया है।

गाजा में बढ़ा फिलिस्तीनियों के मारे जाने का आंकड़ा, अब तक 36,731 लोगों की मौत

गाजा: गाजा पट्टी में जारी इजरायली हमलों में मरने वाले फिलिस्तीनी नागरिकों की संख्या बढ़कर 36,731 हो गई है।यह जानकारी हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य अधिकारियों ने शुक्रवार को एक प्रेस बयान में दी। बयान के अनुसार, पिछले 24 घंटों में इजरायली बलों के हमले में 77 लोग मारे गये और 221 अन्य घायल हो गये जिससे पिछले साल अक्टूबर में फिलिस्तीनी-इजरायल संघर्ष शुरू होने के बाद से मरने वालों की संख्या बढ़कर 36,731 हो गई और घायलों की संख्या 83,530 हो गई। बयान में कहा गया कि भारी बमबारी और बचाव दल की कमी के बीच कुछ पीड़ित मलबे के नीचे दबे हुए हैं। इजराइल ने सात अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इज़राइली सीमा के माध्यम से हमास के हमले का बदला लेने के लिए गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ बड़े पैमाने पर आक्रमण शुरू किया। हमास के हमले में लगभग 1,200 लोग मारे गए थे और लगभग 250 को बंधक बनाया गया था।

रोमानिया में एक दुकान में विस्फोट

कम से कम 15 लोग घायल

नेशनल डेस्क - पूर्वोत्तर रोमानिया में शुक्रवार को एक दुकान में हुए विस्फोट में कम से कम 15 लोग घायल हो गए, जिनमें से चार की हालत गंभीर है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। आपातकालीन अधिकारियों ने बताया कि सुसेवा काउंटी के बोटोसानी कस्बे में घटनास्थल पर एक सचल गहन चिकित्सा इकाई भेजी गई है। उन्होंने कहा कि सात लोग अब भी अस्पताल में भर्ती हैं, जिनमें चार की हालत गंभीर है, जबकि आठ को शहर के एक अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। आपातकालीन हेलीकॉप्टरों को सतर्क कर दिया गया तथा आग बुझाने के लिए दो एम्बुलेंस और दो दमकल गाड़ियां घटनास्थल पर भेजी गईं। दुकान के अंदर तलाश और बचाव अभियान चल रहा है। विस्फोट का कारण क्या था और घायलों की पहचान अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई है।

रूस के आक्रामक रुख अपनाने के बीच पेरिस में वोलोदिमीर जेलेंस्की से मिलेंगे राष्ट्रपति बाइडन

इंटरनेशनल डेस्क- अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन शुक्रवार को पेरिस में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात करेंगे। रूस के साथ शुरू हुए युद्ध के बाद से कीव की सेना फिलहाल अपने सबसे मुश्किल दौर से गुजर रही है और अधिकारियों का मानना है कि आने वाले दिनों में हालात और बद्तर हो सकते हैं। यूक्रेन को युद्ध में हथियार और साजोसामान उपलब्ध कराने वालों में अमेरिका सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है। वह यूक्रेन के पूर्वी क्षेत्रों में रूस के तीव्र आक्रमण को भी रोकने का प्रयास कर रहा है। रूस खारकीव और डोनेत्स्क पर हमला करने की तैयारी में है क्योंकि इन स्थानों पर जवाबी कार्रवाई करने के लिए कीव की सेना और गोला-बारूद की कमी है। कीव में हथियारों की कमी तब हुई जब अमेरिकी संसद में यूक्रेन को सैन्य सहायता देने का प्रस्ताव छह महीने तक रुका रहा, हालांकि अप्रैल में यह प्रस्ताव पास हो गया और बाइडन ने यूक्रेन को 61 अरब अमेरिकी डॉलर की सैन्य सहायता पैकज पर हस्ताक्षर किए। रूस के हालिया हमले और यूक्रेन की सेना के कमजोर प्रतिरोध के बीच अमेरिका सहित कुछ नाटो सहयोगियों ने पिछले सप्ताह कहा था कि वे यूक्रेन को रूस के अंदर सीमित हमले करने के लिए दिए गए हथियारों का उपयोग करने की अनुमति देंगे।

कांग्रेस निर्लज्जता की सीमा पार कर गई है, गिरिराज सिंह ने कहा- जो व्यक्ति 3 चुनाव में भी 99 पार नहीं कर पाया वह जश्न मना रहा है

नई दिल्ली- बेगूसराय से भाजपा के नवनिर्वाचित सांसद गिरिराज सिंह ने विपक्षी गठबंधन और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति तीन चुनाव में भी 99 नहीं पार कर पाया वह जश्न मना रहा है। कांग्रेस निर्लज्जता की सीमा पार गई है।

थेथरोलॉजी पर काम करता है INDI गठबंधन

गिरिराज सिंह ने कहा, ढ्ढहृष्ठढ्ढ गठबंधन थेथरोलॉजी पर काम करता है... नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री थे और रहेंगे। जो व्यक्ति(राहुल गांधी) तीन चुनाव में भी 99 नहीं पार कर पाया वह जश्न मना रहा है, कांग्रेस निर्लज्जता की सीमा पार कर गई है। इस टुकड़े-टुकड़े गठबंधन को वोट कहां मिला? जितना अकेले भाजपा को मिला उससे भी कम इनके गठबंधन को मिला... राहुल गांधी पर देश की जनता ने तीन चुनाव (2014, 2019 और 2024) में विश्वास नहीं किया...

एनडीए संसदीय दल का नेता चुने गए नरेंद्र मोदी

बता दें कि लोकसभा चुनाव के रिजल्ट के बाद शुक्रवार को दिल्ली में संसदीय दल की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एनडीए संसदीय दल का नेता चुना गया। इसके बाद ह्लष्ठ के एक प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और राष्ट्रपति को एक पत्र सौंपा जिसमें कहा गया कि नरेंद्र मोदी को भाजपा संसदीय दल का नेता चुना गया है। NDA के घटक दलों के समर्थन पत्र भी राष्ट्रपति को सौंपे गए। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने किया और इसमें राजनाथ सिंह, अमित शाह, अश्विनी वैष्णव, सीएन मंजूनाथ, एन चंद्रबाबू नायडू, नीतीश कुमार, राजीव रंजन सिंह (ललन सिंह), संजय झा, एकनाथ शिंदे, एच.डी. कुमारस्वामी, चिराग पासवान, जीतन राम मांझी, पवन कल्याण, अजीत पवार, अनुप्रिया पटेल, जयंत चौधरी, जोयंत बसुमतारी, अतुल बोरा, इंद्र हंग सुब्बा, सुदेश महतो, चंद्र प्रकाश चौधरी और रामदास अठावले शामिल थे।

वैष्णो देवी से आ रहे श्रद्धालुओं के साथ हुआ बड़ा हादसा, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर पलटी बस, 30 से ज्यादा यात्री घायल

नेशनल डेस्क- शनिवार तड़के साढ़े तीन बजे आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर एक बड़ा हादसा हुआ है। छत्तीसगढ़ से आ रही श्रद्धालुओं से भरी बस अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे 30 से ज्यादा यात्री घायल हो गए। यह दुर्घटना नसीरपुर थाना क्षेत्र के माइलस्टोन 51 के पास हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बस में 65 यात्री सवार थे, जो वैष्णो देवी के दर्शन करके वृंदावन से छत्तीसगढ़ लौट रहे थे। बस चालक को नींद की झपकी आने के कारण बस नियंत्रण खो बैठी और एक्सप्रेसवे से नीचे जाकर पलट गई। घटना की सूचना मिलते ही एक्सप्रेसवे पर मौजूद कर्मचारी और नसीरपुर थाना प्रभारी शेर सिंह तुरंत मौके पर पहुंचे। घायलों को तुरंत संयुक्त चिकित्सालय और फिरोजाबाद मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। शिकोहाबाद हॉस्पिटल के डॉक्टर शिवकुमार कर्दम ने बताया कि 108 एंबुलेंस से कई घायलों को लाया गया है, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है और उन्हें सैफई रेफर किया गया है। एक घायल यात्री ने बताया कि हम वैष्णो देवी से वृंदावन आए थे और अब छत्तीसगढ़ लौट रहे थे। बस में ज्यादातर सवारियां घायल हो गई हैं। डॉक्टरों की टीम घायलों के इलाज में जुटी हुई है। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह हादसा चालक को नींद की झपकी आने के कारण हुआ है। दुर्घटना की पूरी जांच की जा रही है ताकि आगे ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

भारत की टैक्स व्यवस्था को लेकर उठने लगे सवाल

विदेशी एयरलाइन कंपनियां समेट सकती हैं कारोबार

नेशनल डेस्क- विदेशी एयरलाइन कंपनियों ने भारत की टैक्स व्यवस्था को लेकर सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं। उनका कहना है कि भारत का टैक्स सिस्टम बहुत जटिल है और अगर स्थिति नहीं सुधरी तो उन्हें भारत से अपना कारोबार समेटना पड़ सकता है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा एविएशन मार्केट है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आई.ए.टी.ए.) ने चेतावनी दी है कि भारत में टैक्स सिस्टम की जटिलताएं ग्लोबल एयरलाइन्स को देश छोड़ने के लिए मजबूर कर सकती हैं। आई.ए.टी.ए. की स्थापना 1945 में कुछ एयरलाइन कंपनियों ने की थी। आज दुनियाभर की 300 से अधिक एयरलाइन कंपनियां इसकी मैंबर हैं।

डबल टैक्सेशन का जोखिम ज्यादा

आई.ए.टी.ए. के डायरेक्टर जनरल विली वॉल्श के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में टैक्स से जुड़ी कई समस्याएं हैं। हमें चिंता है कि कि कुछ प्रस्ताव ऐसे हैं जिनके कारण विदेशी एयरलाइन कंपनियां भारत छोड़ सकती हैं। इनमें टैक्स नियमों की जटिलाएं, बहुत ज्यादा टैक्स और डबल टैक्सेशन का जोखिम है। ये ऐसे इश्यू हैं जिनसे विदेशी एयरलाइन कंपनियां बचना चाहती हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले साल अक्टूबर में डायरेक्टरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस (डी.जी.जी.आई.) कई विदेशी एयरलाइन कंपनियों के कार्यालयों पर छापा मारा था। यह मामला टैक्स की चोरी से जुड़ा था।

दुनिया में सबसे ज्यादा भारत में जटिल हैं टैक्स नियम

इसी साल डी.जी.सी.आई. ने थाई एयरवेज, सिंगापुर एयरलाइन्स, लुफ्तहांसा और ब्रिटिश एयरवेज के भारतीय कर्मचारियों को समन भेजा था। इन एयरलाइन कंपनियों पर जी.एस.टी. का भुगतान नहीं करने का आरोप था। एजेंसी के मुताबिक विदेशी एयरलाइन कंपनियों को भारत में एयरक्राफ्ट मेंटनेंस और रेंटल तथा क्रू की सैलरी पर जी.एस.टी. देना होगा। ब्रिटिश एयरवेज के चीफ एग्जीक्यूटिव रहे वॉल्श ने कहा कि जब मैं एयरलाइन सी.ई.ओ. तो हमेशा भारत में टैक्स नियमों की चर्चा होती थी। यह दुनिया में सबसे ज्यादा जटिल है। हमारा मानना है कि दुनिया में एक टैक्स स्ट्रक्चर है जो अच्छा काम कर रहा है। अगर आप इसमें बदलाव नहीं करते हैं तो विदेशी एयरलाइन आपके यहां से जा सकती हैं।

विदेशी एयरलाइंस की हिस्सेदारी 56 फीसदी

वॉल्श ने कहा कि डी.जी.सी.ए. के 2022-23 के आंकड़ों के मुताबिक भारत के इंटरनेशनल एयर ट्रैफिक में विदेशी एयरलाइंस की हिस्सेदारी 56 फीसदी है जबकि भारतीय कंपनियों का हिस्सा 44 फीसदी है। विदेशी कंपनियों में सबसे ज्यादा 10 फीसदी हिस्सेदारी एमिरेट्स की है। इसके बाद सिंगापुर एयरलाइन्स, एतिहाद, कतर एयरवेज, लुफ्तहांसा और एयर अरेबिया का नंबर है। वॉल्श ने कहा कि अगर किसी एयरलाइन को किसी देश से पैसा मिलना बंद हो जाए तो वह वहां ऑपरेट क्यों करेगी? उन्होंने कहा कि भारत की टैक्स व्यवस्था हमेशा से जटिल रही है। हम इंतजार करेंगे और देखेंगे कि आगे क्या होता है। देश में हाल में हुए लोकसभा चुनावों में एन.डी.ए. को बहुमत मिला है और कुछ दिन में अगली सरकार बनने की उम्मीद है।

एलन मस्क ने भी टैक्स व्यवस्था पर उठाए थे सवाल

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर-दिसंबर के दौरान देश में इंटरनेशनल एयर ट्रैफिक 1.73 करोड़ रहा। इस डिमांड को 78 विदेशी और छह घरेलू कंपनियों ने पूरा किया। गौरतलब है कि दुनिया की सबसे वैल्यूएबल ऑटो कंपनी टेस्ला के सी.ई.ओ. एलन मस्क ने कुछ साल पहले भारत की टैक्स व्यवस्था पर सवाल उठाए थे। उनका कहना था कि भारत में टैक्स की दरें दुनिया में सबसे ज्यादा हैं। इसके बाद सरकार ने अपनी ईवी पॉलिसी में बदलाव करके टेस्ला के भारत आने का रास्ता साफ किया था। हालांकि कंपनी ने अब तक भारत में एंट्री नहीं की है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569